R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 24
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 02 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 मंत्री नन्दी ने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का सपरिवार ... 5 नवमी को हवन के साथ संपन्न हुआ दुर्गा पूजनोत्सव 7 प्रियंका चोपड़ा ने दुर्गा पंडाल में जाकर लिया ...

दिल्ली में आफत की बारिश ने बिगाड़ा दशहरा का रंग, रावण के पुतलों को भारी नुकसान!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों और दक्षिणी क्षेत्र के लिए भी नए मौसम अलर्ट जारी किए गए हैं। दिल्लीवासियों को 1 अक्टूबर को हल्की बारिश और बूंदाबांदी की उम्मीद है। मौसम की स्थिति में बदलाव से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे लंबे समय से चली आ रही गर्मी के बाद निवासियों को कुछ राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में 1 अक्टूबर को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की है। साथ ही, अधिकतम तापमान 34-36ष्टण और न्यूनतम तापमान 25-27ष्टण के बीच रहने की उम्मीद है।

मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारी बारिश के कारण दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। मंगलवार तक, सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच, शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र ने 37.8 मिमी बारिश दर्ज की, जिससे अक्टूबर की बारिश अपने दीर्घकालिक मासिक औसत 15.1 मिमी से आगे निकल गई। बुधवार सुबह जारी होने वाले 24 घंटे के अंतिम आंकड़े के अनुसार, शहर में बारिश अक्टूबर के औसत से काफी अधिक रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है, जिसे पीले से अपग्रेड करते हुए, मध्यम से भारी बारिश के साथ गरज, बिजली और 40 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं की चेतावनी दी है। आईएमडी की रंग-कोडित प्रणाली के तहत, नारंगी चेतावनी शहर को 'तैयार' मोड में रखती है।

शहर के कुछ हिस्सों में दशहरा समारोह के लिए तैयार किए जा रहे रावण के विशाल पुतलों को मंगलवार को हुई तेज बारिश से नुकसान पहुंचा। तितारपुर में रावण के पुतले बनाने का काम दशहरे से हफ्तों पहले शुरू हो जाता है। कल की बारिश ने तितारपुर में रावण के पुतलों को खासा नुकसान पहुंचाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रावण के पुतलों से अलग हुई सामग्री फुटपाथ पर पड़ी दिखाई दे रही है और पुतले बनाने वाले कारीगर उनके बचे हुए हिस्से को बचाने की कोशिश करते दिखे।

राजौरी गार्डन क्षेत्र के पास, रावण का एक पुतला ढहता हुआ लग रहा था, उसका भीगा हुआ चेहरा झुक गया था और लकड़ी के फ्रेम पानी के दबाव से झुक रहे थे और रंग भी बिखर रहा था। लव कुश रामलीला समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा, "अचानक आई तेज बारिश के कारण हमारे पुतले थोड़े गीले हो गए हैं, क्योंकि तीनों पुतलों को उनकी ऊंचाई के कारण बाहर रखा गया था। हमें अब उनकी मरम्मत करवानी होगी।"

राम धार्मिक लीला समिति के प्रेस सचिव रवि जैन ने कहा, "हम अभी रावण का पुतला खड़ा करने वाले थे, लेकिन भारी बारिश के कारण हमें इसे स्थगित करना पड़ा। शुक्र है कि हमने जल्दी शुरुआत नहीं की, वरना भारी नुकसान हो सकता था। हालांकि नुकसान तो हुआ ही है।" दुर्गा पूजा आयोजकों को भी मौसम में अचानक बदलाव के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि अप्रत्याशित बारिश के कारण पंडालों में सामान्य से कम भीड़ रही। एक पंडाल के अध्यक्ष अमित रॉय ने कहा, "हमने एहतियाती कदम उठाए थे, इसलिए कोई बड़ी समस्या नहीं हुई। लेकिन दर्शकों की संख्या घट गई।"

मुख्यमंत्री नीतीश ने 4233 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास-उद्घाटन, विकास को नई दिशा

पटना **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प से 4233 करोड़ रूपये की लागत से जन सुविधा एवं विकास से संबंधित योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगस्त 2025 में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से हुयी फसल क्षति के लिये कृषि इनपुट अनुदान योजनान्तर्गत 2 लाख 41 हजार से अधिक प्रभावित किसानों के खाते में 113 करोड़ रूपये से अधिक की राशि का डी द बी0टी0 के माध्यम से अंतरण किया।

कार्यक्रम में पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा 1823 करोड़ रूपये त से निर्माण कराये जाने वाले 663 पंचायत सरकार भवन तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा 500 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कराये ने 1000 विवाह मंडप का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना योजनान्तर्गत बिहार के सभी ग्राम पंचायतों में आधुनिक विवाह भवन (विवाह मंडप) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे गरीब परिवारों को अपनी बेटियों की शादी के लिये एक नक और सुविधाजनक स्थान मिलेगा और उन्हें शादी के खर्चों में राहत मिलेगी।

आज के कार्यक्रम में भवन निर्माण

विभाग द्वारा 885 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन द्वारा 825 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 367 एवं ग्राम पंचायतों द्वारा 160 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 140 पंचायत सरकार भवन का किया गया। पंचायत सरकार भवन ग्राम पंचायत सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा में विभिन्न विभागों के पंचायत स्तरीय कर्मियों के कार्यालय संचालन की व्यवस्था की इस भवन में लोक सेवाओं का अधिकार केन्द्र, पोस्ट ऑफिस बैंक की शाखा, सुधा मिल्क पार्लर इत्यादि खोला गया है। इस भवन का उपयोग उपर्युक्त कार्यों के बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी किया जाता है। साथ ही कृषि विभाग के अन्तर्गत 40 करोड़ 46 लाख रूपये की लागत से निर्मित दाऊदनगर प्रांगण (औरंगाबाद) का उद्घाटन किया गया। बिहार खाद्यान्न भंडारण एवं प्रशिक्षण पटना का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण की जनाओं में पंचायती राज विभाग, भवन निर्माण विभाग एवं कृषि विभाग की महत्वपूर्ण शामिल हैं। इसके लिये मैं संबद्ध विभागों को बधाई देता हूँ। इन योजनाओं की होने से राज्य में विकास कार्यों को नयी गति एवं दिशा मिलेगी। इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे उनका जीवन स्तर और बेहतर होगा।

पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर न किया। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज विभाग की योजनाओं से संबंधित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव के0 सेंथिल कुमार, कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पंचायती राज विभाग की विशेष सचिव श्रीमती प्रीति तोगड़िया सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से प्रदान की जाने वाली सभी सेवाएं कर योग्य : न्यायालय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि किसी भी हवाई अड्डे पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी प्रकार की सेवाएं कर योग्य हैं और उन पर सेवा कर लगाया जा सकता है। न्यायालय ने वर्ष 2003 से 2007 के बीच सेवा कर देयता के खिलाफ दायर हवाई अड्डा नियामक की अपील को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के एक मार्च, 2017 के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें माल के निर्यात सहित एएआई द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर सेवा कर लगाने को मंजूरी दी गई थी। एएआई अपने कर्तव्यों के निर्वहन में, हवाई अड्डों पर माल का प्रबंधन करता है जिसमें माल का निर्यात भी शामिल, जिसके तहत माल का उतारा जाना, ढुलाई, एक्स-रे, निर्यात के लिए पैकिंग आदि जैसी कई गतिविधियां शामिल हैं।

एएआई ने तर्क दिया कि सेवा कर की मांग जिन सेवाओं के लिए की गई थी, उसमें निर्यात किये जाने वाले माल का प्रबंधन भी शामिल है, लेकिन इसे वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 65 की उपधारा (23) के तहत बाहर रखा गया था। कानून के प्रावधानों का विश्लेषण करने के बाद पीठ ने कहा कि कर योग्य सेवा की परिबहुत व्यापक है और हवाई अड्डे पर हवाई अड्डा प्राधिकरण द्वारा किसी भी व्यक्ति को प्रदान की जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवा इसके दायरे में आती है।

सीएम ने गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन कर किया मातृशक्ति का वंदन, दिया विशेष संदेश

गोरखपुर **(एजेंसी)**। गोरक्षपीठ की सदियों पुरानी परंपरा का सम्मान करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया। यह अनुष्ठान मातृशक्ति के प्रति पीठ की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है, एक ऐसी भावना जिसे योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सम्मान के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से और भी मूर्त रूप दिया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बुधवार को समारोह के दौरान, सीएम योगी ने देवी दुर्गा के नौ रूपों की प्रतीक नौ कन्याओं के पैर धोए, उनकी विधि-विधान से पूजा की, उन्हें चुनरी ओढ़ाई, आरती की, उन्हें भक्ति भाव से भोजन कराया और फिर दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। परंपरा का पालन करते हुए, मुख्यमंत्री ने बटुक पूजन (छोटे बालकों की पूजा) भी किया। मंदिर के भोजन कक्ष में जल से भरे पीतल के बर्तन से नौ कन्याओं के पैर धोने के बाद, उन्होंने उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत लगाया, फूल और दूर्वा अर्पित की और फिर उन्हें माला और चुनरी पहनाई। उन्होंने आशीर्वाद लेने से पहले प्रत्येक कन्या को उपहार और दक्षिणा भेंट की।

मुख्यमंत्री ने छह महीने की एक बच्ची का पूजन भी किया और उसका आशीर्वाद लिया। एक अन्य प्रतीकात्मक कार्य में, उन्होंने हनुमान के वेश में एक बालक को तिलक लगाया, उसे माला पहनाई और उसके कंधों पर एक कपड़ा डाला। अनुष्ठान के बाद, सीएम योगी ने मंदिर की रसोई से ताज़ा पका हुआ प्रसाद कन्याओं और बालकों को परोसा। उन्होंने नौ कन्याओं के साथ, बड़ी संख्या में एकत्रित हुई कन्याओं और बटुकों (बालकों) की भी आरती की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया और उपहार और दक्षिणा दी गई।

नन्हे-मुन्ने बालक-बालिकाएँ अपने 'महाराज जी' के स्नेह का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, उनका उत्साह पूरे समारोह में साफ़ दिखाई दे रहा था। बालिकाएँ सीधे महाराज जी के हाथों दक्षिणा पाकर बेहद खुश दिखाई दीं। अनुष्ठान के बाद, सीएम योगी बच्चों के साथ गर्मजोशी से मिले और एक-एक थाली में प्रसाद परोसा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी बच्चे के भोजन में प्रसाद की कोई कमी न रहे। उन्होंने मंदिर के कर्मचारियों को उचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

उत्तराखंड के सुदूर इलाकों को मिली 'उड़ान' की सौगात, मुख्यमंत्री धामी ने किया उद्घाटन

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास से क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के अंतर्गत पिथौरागढ़-मुनस्यारी-पिथौरागढ़ और हल्द्वानी-अल्मोड़ा-हल्द्वानी मार्गों पर हवाई सेवाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, सीएम धामी ने कहा कि इन हवाई सेवाओं के शुरू होने से राज्य के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए परिवहन में काफी सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्मोड़ा और मुनस्यारी उत्तराखंड के प्राचीन शहरों में से हैं और इनका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। बयान में कहा गया है कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक मंदिरों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध ये शहर देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पीएनबी मेटलाइफ ने मिर्जापुर में नई शाखा खोलकर अपनी उपस्थिति मजबूत की

मिर्जापुर। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ), ने मिर्जापुर में अपनी नई शाखा के उद्घाटन की घोषणा की। इस विस्तार के साथ अब कंपनी की उत्तर प्रदेश में कुल 19 शाखाएँ हो गई हैं। शाखाओं का उद्घाटन कंपनी की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह बीमा को और अधिक सुलभ बनाना चाहती है, ताकि ग्राहकों को जहाँ भी वे हों, पॉलिसी सेवाएँ और भरोसेमंद सलाह उपलब्ध हो सके।

समीर बंसल, एमडी और सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ़ ने कहा कि विश्वास हमेशा से पीएनबी मेटलाइफ़ के अपने ग्राहकों के साथ संबंधों की नींव रहा है। भारत भर में अब 165 शाखाओं के साथ, हम न केवल अपनी पहुँच का विस्तार कर रहे हैं बल्कि इस भरोसे को और मजबूत कर रहे हैं कि ग्राहक हर कदम पर हम पर निर्भर कर सकते हैं। हमारा फोकस वहीं उपस्थित रहना है जहाँ उन्हें हमारी सबसे अधिक ज़रूरत है - सुरक्षा को करीब लाना, उसे सरल बनाना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपना वित्तीय भविष्य योजना बनाने में मदद करना।

pnb MetLife
Milkar life aage badhaein

नेस्ले इंडिया ने वर्ल्ड फूड इंडिया समिट में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ अनुबंध किया

वाराणसी भारत के सफर में अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखा

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। नेस्ले इंडिया ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (श्दइझ्) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध के तहत ओडिशा और जहां-जहां इसकी फैक्ट्रियां मौजूद हैं, उन जगहों पर ग्रीन फील्ड और ब्राउन फील्ड परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाया जाएगा। इस सहमति पत्र पर नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया समिट 2025 में हस्ताक्षर किए गए।

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, मनीष तिवारी ने कहा, 'खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर ओडिशा और मौजूदा विनिर्माण स्थानों में ग्रीन फील्ड और ब्राउन फील्ड परियोजनाओं में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश करने की नेस्ले इंडिया की प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह निवेश अगले 2 से 3 वर्षों के समय सीमा में होगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की

उम्मीद है, जो भारत की विकास यात्रा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा, क्योंकि हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ना जारी रखेंगे।'

नेस्ले इंडिया टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार खाद्य प्रणालियां बनाने पर फोकस करता है, यह ब्रांड्स और बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है, जो आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देगा और सभी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाएगा। इसके अलावा, नए-नएइनोवेशन के माध्यम से यह उपभोक्ताओं तक उत्पादों और अनुभवों को तेजी से, बड़े पैमाने पर और बेहतर तरीके से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेस्ले इंडिया के कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख, कुंवर हिम्मत सिंह ने कहा, 'भारत में 113 साल से ज्यादा समय से मौजूद नेस्ले इंडिया 100, 000 से अधिक किसानों के साथ काम करता है, जिनमें डेयरी, कॉफी, मसाले, गेहूं, गन्ना और चावल के किसान शामिल हैं। सप्लायर्स के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी है। भारत में हमारे नौ कारखाने बेहतरीन गुणवत्ता के उत्पाद बनाते हैं, जो 10, 000 वितरकों और 5.2 मिलियन दुकानों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचते हैं।'

नेस्ले इंडिया की सामाजिक पहलों ने पोषण जागरूकता, शिक्षा, कचरा प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, भोजन सहायता और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता का प्रशिक्षण देकर 1.6 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। साथ ही, नेस्ले इंडिया समुदाय के कल्याण के लिए गांव गोद लेने की योजनाओं में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लेता है।

जिलाधिकारी ने राजकीय विद्यालयों में बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्य को 10 अक्टूबर तक पूर्ण कराने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज एन.आई.सी. सभागार में शिक्षा विभाग व समाज कल्याण विभाग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि बैठक में जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष व लर्निंग लैब आदि का निर्माण कार्य एवं राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में ट्रांजिट हॉस्टल आदि के निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कार्यदाई संस्था को तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजकीय विद्यालयों में बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रगति करते हुए अधिशासी अभियंता, यूपीसिडको को 10 अक्टूबर तक निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि 10 अक्टूबर तक निर्माण कार्य पूर्ण न होने की दशा में उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने उत्कृष्ट योगदान देने वाली आशा बहुओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को मां शीतला अतिथि गृह में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली आशा बहुओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने शीतला अतिथि गृह में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य कैम्प का शुभारंभ किया एवं अपना भी स्वास्थ्य चेकअप कराया।

ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत में व्यवसायों और उपभोक्ताओं को सेवा देने वाला एक एकीकृत सोना और चांदी का प्लेटफॉर्म और 31 अगस्त, 2025 तक, 24 राज्यों में उपस्थिति ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। आईपीओ में 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है, जो 620 करोड़ रुपये तक एकत्रित होता है, और 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव शामिल है, जो 180 करोड़ रुपये तक एकत्रित होता है। कुल पेशकश का आकार 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों से बना है जो 800 करोड़ रुपये तक एकत्रित होते हैं। प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारकों द्वारा बिक्री प्रस्ताव में नमिता केतन कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक, विवेक पृथ्वीराज कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक और डिंपल मुकेश कोठारी द्वारा 60 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

कंपनी शुद्ध आय का उपयोग इन्वेंट्री की खरीद और रखरखाव के लिए भविष्य की कार्यशील पूंजी

आवश्यकताओं को निधि देने के लिए और 465 करोड़ रुपये की राशि की खरीद के उद्देश्य से अग्रिम मार्जिन आवश्यकताओं को निधि देने के साथ-साथ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव करती है।

ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड का परिचालन सोने और चांदी के मूल्य श्रृंखला के कई खंडों तक फैला हुआ है, जिसमें खरीद और शोधन बुलियन ट्रेडिंग, डिजिटल गोल्ड पेशकश, आभूषण निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री और स्वर्ण समर्थित वित्तीय सेवाओं को सुगम बनाना शामिल है। कंपनी भारत में उन कुछ कंपनियों में से एक है जो सोने और चांदी की खरीद के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों पर उपस्थिति रखती है।

गौडियम आईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड ने सेबी के पास दोबारा दाखिल किया डीआरएचपी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत के अग्रणी फर्टिलिटी और आईवीएफ सेवा प्रदाताओं में से एक, गौडियम आईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल कर दिया है। कंपनी एक हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से संचालित होती है, जिसमें कई राज्यों में 7 हब और 28 स्पोक शामिल हैं, जो इसे देश के सबसे बड़े आईवीएफ नेटवर्कों में से एक बनाता है। डॉ. मनिका खन्ना द्वारा स्थापित, गौडियम आईवीएफ भारत में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकियों में एक अग्रणी के रूप में उभरा है।

इस पेशकश में 5 रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 2, 08, 86, 200 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिसमें 1, 13, 92, 500 इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और प्रमोटर डॉ. मनिका खन्ना द्वारा 94, 93, 700 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। अपनी पिछली फाइलिंग में, कंपनी ने 1, 83, 54, 400 इक्विटी शेयरों के एक बड़े फ्रेश इश्यू और 25, 31, 700 इक्विटी शेयरों के एक छोटे ओएफएस का प्रस्ताव किया था, जो मिलाकर 2, 08, 86, 100 इक्विटी शेयर था।

मानसी जोशी रॉय और राजेंद्र चावला साथ आ रहे हैं ज़ी टीवी के नए शो लक्ष्मी निवास में

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। हर भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार के दो बड़े सपने होते हैं - अपना घर बनाना और बेटियों की शादी करना। इन्हीं सपनों को सजीव करते हुए ज़ी टीवी शुरू करने जा रहा है अपना नया शो 'लक्ष्मी निवास'। यह कहानी है प्यार, साथ और परिवार की अहमियत की। यह शो दिखाता है कि कैसे एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार रोज़मर्रा की मुश्किलों और उम्मीदों से जूझते हुए अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करता है। इसमें पुरानी परंपराओं और नई पीढ़ी की बदलती सोच के बीच का टकराव साफ झलकता है।

कहानी लक्ष्मी और श्रीनिवास की है। यह दंपति पिछले 35 सालों से किराए के घर में रह रहा है और हमेशा अपना घर बनाने का सपना देखता रहा है। वे चाहते हैं कि उनकी बेटियों का भविष्य सुरक्षित हो और उनका परिवार एक दिन अपने घर में बसे।

लोकप्रिय अभिनेत्री मानसी जोशी रॉय 'लक्ष्मी' का किरदार निभा रही हैं। वहीं वरिष्ठ अभिनेता राजेंद्र चावला 'श्रीनिवास' के रूप में नज़र आएंगे, जो समर्पित पति और पिता हैं। उनका सबसे बड़ा सपना है परिवार के लिए एक घर बनाना। लेकिन इस सफर में उन्हें कई मुश्किलें आती हैं, खासकर तब जब नई पीढ़ी की ख्वाहिशें माता-पिता के सपनों से टकराने लगती हैं।

अपने किरदार के बारे में मानसी जोशी रॉय कहती हैं, 'लक्ष्मी हर उस मां की तस्वीर है जो बस अपने बच्चों को खुश देखना चाहती है। इस भूमिका से मुझे इसलिए जुड़ाव महसूस हुआ क्योंकि यह लाखों महिलाओं की ताकत, सपनों और परिवार को संभालने की भावना को दिखाती है। 'लक्ष्मी निवास' सिर्फ घर बनाने की नहीं, बल्कि प्यार और भरोसे से भरी जिंदगी बनाने की कहानी है।'

वृद्धजन समाज की जड़ें, जिनकी छाया में आने वाली पीढ़ियाँ होती है विकसित- नागराज हुल्गी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के माता-पिता नागराज हुल्गी व लक्ष्मी हुल्गी ने वृद्धजनों को वस्त्र भेंटकर व फल वितरण किया।

ज्ञात हो कि नागराज हुल्गी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कार और जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला अवसर है। वृद्धजन समाज की जड़ें हैं, जिनकी छाया में आने वाली पीढ़ियाँ विकसित होती हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि, उन्हें न केवल शारीरिक और आर्थिक सुरक्षा मिले, बल्कि भावनात्मक सहारा और सम्मान भी प्राप्त हो। प्रबंधक, आलोक राय ने कहा कि बुजुर्ग हमारे धरोहर है। इनकी सेवा करने से बड़ा पुण्य मिलता है।

कक्षा 9 की छात्रा बनी एक दिन की करेली थाना प्रभारी

इस दौरान कई लोगो की शिकायत सुनकर हल्का प्रभारी को जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मिशन शक्ति 5.0अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से करेली थाने में विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेंट मैरी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्रा ज्ञाना दुबे को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाकर महिला शशक्तिकरण पर ज़ोर दिया गया।

इस दौरान छात्राओं को थाना प्रभारी के रूप में छेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा जनसुनवाई की प्रक्रिया लोगो कोअवगत कराया गया। सभी लोगो को थाना स्तर पर आने वाली शिकायतों को सुनने और समाधान की कार्यप्रणाली का अनुभव कराया गया।

थाना प्रभारी करेली आशीष सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना का विकास करना है। छात्राओं को भी उत्साहपूर्वक जिम्मेदारी निभाते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका और अधिकारों को समझने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि इस तरह के

कार्यक्रम से महिला सुरक्षा और जागरूकता की दिशा में एक सार्थक प्रयास माना जा रहा है। इससे सभी छात्राओ और अभिभावकों जनता में पुलिस के प्रति काफी विश्वाश बना रहता है वैसे भी पुलिस हर समय जनता की सेवा करने के लिए उपलब्ध रहती है और थाने पर आने वाले पीड़ित पक्ष की हर सम्भव मदद करने का प्रयास भी करती है अगर जनता पुलिस का सहयोग बिना किसी भय डर के मदद करे तो छेत्र में होने वाली घटना कभी नही घटेगी जनता को चाहिए कि यदि कही पर कोई गलत कार्य हो रहा हो या संदिग्ध ब्यक्ति दिखे तो तुरंत सूचित पुलिस सूचना देने वाले ब्यक्त की गोपनीयता बनाये रखेगी इसलिए कि जनता बगैर वर्दी की पुलिस है जनता चाह ले तो कहि भी कोई अपराध घटित नही होगी।

जलपान दुकानदारों ने आढ़तियों पर डाला खौलता तेल, दो गंभीर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/कौशाम्बी। मुंडेरा मंडी में सोमवार को मामूली कहासुनी के बाद बड़ा बवाल हो गया। फल के आढ़त की दुकान चलाने वाले दो भाइयों पर पास की जलपान दुकान के संचालकों ने खौलता तेल फेंक दिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सौरभ सिंह पुत्र राकेश सिंह और सिद्धांत सिंह पुत्र मुकेश सिंह की मुंडेरा मंडी में फल की आढ़त की दुकान है। उनकी दुकान के ठीक सामने मुकेश यादव व भुवनेश्वर यादव जलपान की दुकान चलाते हैं। आढ़तियों ने ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए जलपान की दुकान को थोड़ा पीछे करने की बात कही, जिस पर विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ा कि जलपान संचालकों ने गुस्से में आकर सौरभ सिंह और राकेश सिंह के ऊपर खौलता हुआ तेल डाल दिया। दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

इस मामले की सूचना पीड़ितों के परिजनों ने पुलिस को दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

सैनी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के दो अभियुक्तों को किया अरेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में सिंधू पासी पुत्र फूलचन्द्र पासी निवासी नरसिंहपुर कच्छवा थाना सैनी तथा लक्ष्मण प्रजापति पुत्र मैकूलाल प्रजापति निवासी नरसिंहपुर कच्छवा थाना सैनी शामिल हैं। दोनों आरोपियों पर संगठित होकर अवैध तरीके से आर्थिक व भौतिक लाभ लेने तथा कई आपराधिक वारदातों को अंजाम देने का आरोप है।

ज्ञात हो कि पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई 2023 को अभियुक्तों ने थाना सैनी क्षेत्र में एक व्यक्ति के घर का ताला तोड़कर चोरी की थी। इसके बाद 2 अगस्त 2023 को एक महिला से सोने का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गए थे। यही नहीं, 15 अगस्त 2023 को उन्होंने मेडिकल की दुकान से मोबाइल व नकदी चोरी की थी। इन घटनाओं के बाद अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की गई थी।

01 अक्टूबर 2025 को थाना सैनी पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को दबोच लिया। गिरफ्तार कर दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

थाना सैनी पुलिस टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है।

संतान का, अपने माता-पिता का भरण-पोषण करना विधिक दायित्व- पूर्णिमा प्रांजल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में घोषिया,सराय अकिल में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूर्णिमा प्रांजल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं,अपराध के पीड़ितों के लिए क्षतिपूर्ति योजना, पीड़ित द्वारा क्षतिपूर्ति के लिए प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अपने छोटे-छोटे मुकदमों का हल वैकल्पिक विवाद समाधान पद्धति के जरिए करें।

उन्होंने कहा कि वृद्धजनों को कोई समस्या हो,तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में जाकर या तहसील स्तर पर बने लीगल एड क्लीनिक में कार्यरत पीएलवी से संपर्क कर अपना शिकायती आवेदन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि संतान का अपने माता- पिता का भरण-पोषण करना विधिक दायित्व है, ऐसा न करने पर 03 माह का कारावास या 05 हजार जुर्माना या दोनों हो सकता है। उन्होंने कहा कि तीन लाख सालाना से कम आय वालों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है, जिसके तहत मुकदमा से जुड़ा सारा खर्च विधिक सेवा प्राधिकरण वहन करता है।

इसके साथ ही प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद समाधान पद्धति के तहत सुलह समझौते के लायक विवादों के समाधान के लिए समय-समय पर लोक अदालत का भी आयोजन किया जाता है। किन्हीं भी सरकारी योजनाओं के लाभ में आने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिए भी आप हमारे पीएलवी से या कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने इसके साथ ही अतिरिक्त राष्ट्रीय और राज्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त सेवाओं और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलनों अभिसमयों, उपलब्ध प्रावधानों, भारतीय संविधान, व्यक्तिगत विधियों, दण्ड प्रक्रिया संहिता और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम-2007 में दिए गए प्रावधानों व वरिष्ठ नागरिकों के बारे में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और उनको मिलने वाली सहूलियतों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

तहसीलदार, चायल पुष्पेन्द्र गौतम ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए तहसील में स्थित लीगल एड क्लीनिक में जाकर या उनसे संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं या फिर उनसे भी संपर्क कर अपनी शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने कई गंभीर बीमारियों के लिए भी सरकार द्वारा सांसद, विधायक व विधान परिषद सदस्य आदि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से दी जाने वाली सहायता के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान किया।शिविर में वीणा रानी केस वर्कर सखी वन स्टॉप सेंटर ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित योजना तथा सविता देवी परामर्शदाता (सीएचएल) जिला प्रोबेशन कार्यालय द्वारा चाइल्ड लाइन नंबर 1098 और महिला हेल्पलाइन नंबर 181 के बारे में जानकारी प्रदान की।

मंत्री नन्दी ने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का सपरिवार किया पूजन परात में पखारे पांव, चरण स्पर्श कर लिया आशीर्वाद

बेटियां देश व समाज की सुख, समृद्धि और तरक्की का आधार हैं-नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने अपने बहादुरगंज स्थित आवास पर आदि शक्ति मां दुर्गा का नौ दिनों का अखंड व्रत संकल्प पूरा कर सपरिवार मां दुर्गा की स्तुति के साथ ही हवन-पूजन किया। शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन करते हुए उनके पांव पखारे और भोजन प्रसाद खिलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्री नंदी और पूर्व महापौर ने पीतल के परात में लोटे के जल से कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे। उनके पैरों में रंग लगाया। वहीं माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत का तिलक लगाकर व चुनरी ओढ़ाकर उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती उतरी वहीं अपने हाथों से भोजन परोसा। मां भगवती के शाश्वत स्वरूप की उपासना की। वहीं लोक कल्याण एवं सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना की।

मंत्री नन्दी ने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म में कुमारी कन्याओं का पूजन एवं सत्कार आदि शक्ति मां भगवती दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों का पूजन है। माँ दुर्गा की असीम शक्ति और उनकी कृपा दृष्टि से संसार के प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, यही कामना है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि बेटियां सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं। इनकी पूजा सर्वोत्तम पूजा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि नवरात्रि आदिशक्ति की आराधना का पर्व है, जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं। नवरात्रि इन्हीं जगत जननी को समर्पित है और भारतीय संस्कृति में कुमारी कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा माना गया है। मंत्री नन्दी ने कहा कि आज के समय में बेटियां किसी भी मायने और किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं है। हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इसलिए आज के समय में बेटियों को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जिसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्री नन्दी ने कहा कि किसी भी देश, राज्य या समाज के लिए नारी सशक्तिकरण बहुत ही आवश्यक है।

दशहरे का मेला शुभ संपन्न होने की मंगल कामना की गई

नवरात्रि अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व : रीता बहुगुणा जोशी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केदारनाथ की थीम पर बना आर्य नगर मुट्ठीगंज दुर्गा पूजा पंडाल में महानवमी के अवसर महापौर पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी मां दुर्गा की आरती किया इस अवसर उन्होंने ने कहा कि मातृशक्ति का प्रतीक नवरात्रि का पर्व अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व है। इस अवसर मां दुर्गा से दशहरे का मेला शुभ संपन्न होने की कामना की। कमेटी के अध्यक्ष शत्रुघ्न जायसवाल ने स्वागत किया इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी नीरज केसरवानी, अजय अग्रहरि प्रमोद मोदी, अतुल जायसवाल गौतम जायसवाल, मंथन जायसवाल, कुणाल आदि कमेटी के लोग उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय अनुकृति डांडिया महोत्सव कल से

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप का कॉलेज की प्रस्तुति पर मिंट इवेंट्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय डांडिया उत्सव का आयोजन तीन चार पांच अक्टूबर को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किया जा रहा है. आयोजक प्रियवंदां कुमार ने बताया कि पिछले 6 वर्षों से लगातार मिनट्स इवेन्ट्स प्रयागराज शहर में एक बढ़िया डांडिया करने के लिए जाना जाता है जिसमें परिवार के साथ सभी लोग सम्मिलित होते हैं.

यहाँ आपके लिए प्रेस रिलीज़ का ड्राफ्ट प्रस्तुत है

संजय कुदेसिया के सेवानिवृत्त होने के बाद पी. के. सिंह बने इकाई प्रमुख

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको फुलपुर इकाई में आज एक महत्वपूर्ण अवसर पर पी. के. सिंह ने इकाई प्रमुख का कार्यभार संजय कुदेसिया से ग्रहण किया। कुदेसिया के सेवानिवृत्त होने के उपरांत यह दायित्व सिंह को सौंपा गया।

पी. के. सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद के निवासी हैं। उन्होंने 1990 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा 1992 में थर्मल इंजीनियरिंग में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1995 में उन्होंने इफको फुलपुर इकाई में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारम्भ कीं।

अपने कार्यकाल के दौरान सिंह ने फुलपुर- द्वितीय विस्तार परियोजना, ई.एस.पी. एवं क्षमता वृद्धि परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उन्हें ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त हुआ।

कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे इफको फुलपुर इकाई के रखरखाव विभाग का नेतृत्व कर रहे थे। मैकेनिकल मेंटेनेंस के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने संगठन को सशक्त योगदान दिया है।

सिंह अपनी ईमानदारी, सहज व्यक्तित्व और उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। कर्मचारियों में उनकी सर्वमान्य स्वीकार्यता उन्हें अपने कर्तव्यों के सफल निर्वहन में सहयोग करती है। इफको परिवार को पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में फुलपुर इकाई निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी।

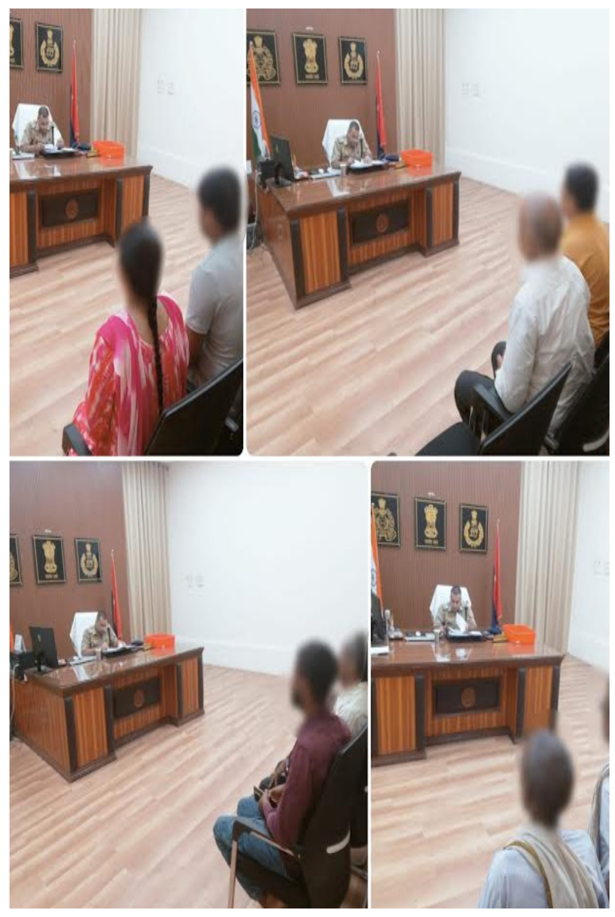

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

मेजा ऊर्जा निगम को ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2025 में सिल्वर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम ने ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2025 में, जिसका आयोजन पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) द्वारा किया गया था, कम्यूनिटी पीआर कार्यक्रम (लाइव या वर्चुअल) श्रेणी में सिल्वर अवॉर्ड प्राप्त कर संस्था का गौरव बढ़ाया। यह पुरस्कार मेजा ऊर्जा निगम की ओर से अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा गोवा में आयोजित समारोह में प्राप्त किया गया, जिसमें कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें गणेश गांवकर, माननीय अध्यक्ष, गोवा विधान सभा शामिल थे। दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 को यह पुरस्कार औपचारिक रूप से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अशेष कुमार चट्टोपाध्याय को मेजा स्थित निगम कार्यालय में विवेक चंद्रा, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) एवं अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा सौंपा गया। यह उपलब्धि मेजा ऊर्जा निगम की समुदाय से सार्थक जुड़ाव को सुदृढ़ बनाने और लोक-संपर्क क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आरएएफ 91 बटालियन में मां भगवती की पूजा, भंडारे में उमड़ी भीड़

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला स्थित आरएएफ 91 बटालियन परिसर में नवरात्रि की नवमी पर बुधवार को धार्मिक अनुष्ठान एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कमांडेंट जितेंद्र कुमार ओझा के निर्देशन में डी कंपनी परिसर में मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धाभाव से आरती उतारी गई। पूजन-अर्चना के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।इस मौके पर उप कमांडेंट प्रमोद सिरसत, सहायक कमांडेंट विवेक सिंह, निरीक्षक अमित कुमार दुबे समेत कंपनी के तमाम जवानों, महिलाओं और परिवारजनों की उपस्थिति रही।

प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दायर किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में पाउडर और वायर दोनों श्रेणियों में सबसे तेज़ी से बढ़ते निर्माताओं में से एक, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 27, 900, 000 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनमें 22, 500, 000 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 5, 400, 000 इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव शामिल है।

बिक्री के लिए प्रस्ताव में अरविंद छोटेलाल मोरजारिया द्वारा कुल 2, 170, 800 इक्विटी शेयर, दिलीप छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1, 740, 030 इक्विटी शेयर, सुभाष छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1, 078, 770 इक्विटी शेयर, ललित नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 341, 895 इक्विटी शेयर और निर्मला नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 68, 505 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से विक्रेता शेयरधारक के रूप में जाना जाता है।

बीआरएलएम के परामर्श से, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपनी आरएचपी दाखिल करने से पहले 30 करोड़ रुपये तक के प्री-आईपीओ पर विचार कर सकता है। यदि ऐसा किया जाता है, तो जुटाई गई राशि नए निर्गम से कम हो जाएगी।

कंपनी अपनी शुद्ध आय का उपयोग महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खालापुर स्थित होनाद गाँव में एक नई वायर निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु और कुछ मौजूदा उत्पादों की निर्माण क्षमता बढ़ाकर, गुट संख्या 33 और 39, मौजे आबजे (वैतरणा नगर), वाडा, पालघर, महाराष्ट्र में स्थित वाडा इकाई में मौजूदा निर्माण सुविधा के विस्तार हेतु आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस राशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा।

प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड उन कुछ कंपनियों में से एक है जो वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में पाउडर और वायर दोनों श्रेणियों में काम करती हैं। उनके उत्पाद पोर्टफोलियो में फेरो एलॉय, धातु, रासायनिक और खनिज पाउडर के साथ-साथ कम और गैर-मिश्र धातु, स्टेनलेस स्टील और निकल-आधारित मिश्र धातु के तार शामिल हैं। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियर अपने प्रतिस्पर्धियों के बीच धातु, फेरो एलॉय, रासायनिक और खनिज-आधारित पाउडर की सबसे विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान, घरेलू वेल्डिंग कच्चे माल और उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में उत्पन्न धातु और फेरो एलॉय पाउडर की कुल मांग में उनका योगदान लगभग 8इ (4.9 केटीपीए) था।

नवरात्रि पर कन्याओं का पूजन, भंडारे में उमड़ी भीड़

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित संयुक्त चिकित्सालय परिसर में नवमी के अवसर पर कन्या पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया। डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय अग्रवाल ने विधि-विधान से नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन व उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।कन्या पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा।

कार्यक्रम में डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. गणेश दूंनर समेत चिकित्सालय के अन्य कर्मी, सीआरपीएफ जवान और महिलाओं की सक्रिय मौजूदगी रही।

आरेडिका में स्वच्छता अभियान 5.0 के द्वितीय चरण की शुरूआत

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दिनांक 01.10.2025 को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रथम चरण में किये गये कार्यों की समीक्षा की एवं स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण (02.10.2025 से 31.10.2025 तक) के लिए स्वच्छता में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

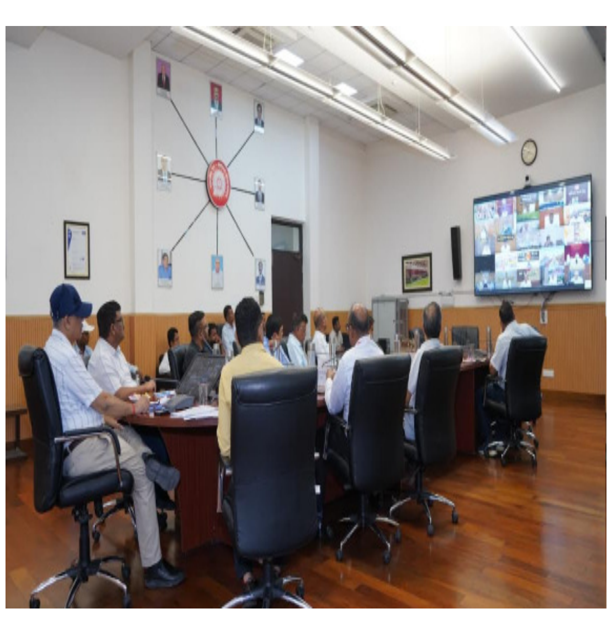

इस अवसर पर आरेडिका के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थल पर स्वच्छता की शपथ ली, कि हम साल में 100 घण्टे स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे, हम न तो गन्दगी करेगें और न ही गन्दगी करने देंगें

इस वीडियो कॉफ्रेंस में आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, सीएओ रवीश कुमार, पीसीईई मनोज कुमार जिंदल पीएफए बीएल मीना, पीसीएमओ डा0 आभा जैन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, डिप्टी सीपीओ एके मिश्रा, एसपीओ नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

224 वीआईपी बटालियन में धूमधाम से हुई मां भगवती की पूजा-अर्चना

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित 224 वीआईपी बटालियन के कमांडेंट योगेश पुरोहित के कुशल निर्देशन में नवरात्रि के नवें दिन मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी अशोक कुमार एवं द्वितीय कमान अधिकारी तरुण कुमार ने संयुक्त रूप से मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर आरती उतारी।

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं व जवानों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इस मौके पर एस एम कन्हैया लाल सहित तमाम जवानों व उनके परिजनों ने मां भगवती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर आशीर्वाद लिया।इस अवसर पर बटालियन के उप कमांडेंट धनंजय यादव अन्य अधिकारी, जवान, उनके परिजन एवं स्थानीय श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने कहा कि मां भगवती की आराधना से शक्ति और आस्था दोनों की प्राप्ति होती है।

आरेडिका में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । यह आयोजन आरेडिका चिकित्सालय एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली के सहयोग से संपन्न हुआ । शिविर का उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे रोगियों की मदद करना, आम जनमानस में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करना था ।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे हुआ, जो दोपहर 1:00 बजे तक चला । रक्तदान के लिए कुल 42 कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया । प्रत्येक इच्छुक रक्तदाता की स्वास्थ्य जांच - जिसमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन स्तर और अन्य आवश्यक परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा की गई । जांच उपरांत 21 कर्मचारी, जिनमें आरेडिका चिकित्सालय के 03 चिकित्साधिकारी भी सम्मिलित हैं ने रक्तदान किया ।

स्वेच्छा से रक्तदान कर सभी ने ''रक्तदान महादान'' की भावना को साकार करते हुए समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के समापन पर सभी रक्तदाताओं को एम्स चिकित्सालय द्वारा ब्लड डोनेशन हेतु 'सर्टिफिकेट फार एप्रिसियेशन' देकर उनका आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

वैश्विक 'सक्रिय क्लब', मार्शल आर्ट से नव-नाजी विचारधारा फैलाने वाले युवा, अमेरिका-यूरोप से कनाडा तक बढ़ते खतरनाक आंदोलन

अमेरिका और विदेशों में ऐसे 'सक्रिय क्लब' बढ़ रहे हैं जो 'मार्शल आर्ट' का इस्तेमाल करके दक्षिणपंथी, फासीवादी विचारधाराओं का प्रचार करते हैं। जून में कनाडा के लंदन में सिटी हाल के सामने एक टेलीग्राम वीडियो में काले मास्क और धूप का चश्मा पहने एक दर्जन से अधिक लोग दिखाई दिए थे। ये किसी भी खुले स्रोत जांचकर्ता को आसानी से उनकी पहचान करने से रोक रहे थे।

ये लोग 'अब सामूहिक निर्वासन' का नारा एक स्वर में लगा रहे थे। उनके हाथों में नारे लिखे हुए थे, 'इजराइल का खून नहीं'। जबकि नकाबपोश पुरुषों द्वारा नारे लगाते हुए इस प्रकार का दृश्य अमेरिका में अपेक्षाकृत सामान्य घटना है। कनाडा में हुई यह घटना एक उभरते वैश्विक आंदोलन के अंधेरे पक्ष को दर्शाती है। सक्रिय 'नव-नाजी क्लब' अमेरिका में जन्मे 'नवफासीवादी फाइट क्लब', तेजी से सीमाओं के पार फैल रहे हैं।

लंदन, ओंटारियो प्रांत में एक जंग खाए बेल्ट में एक बड़ा कनाडाई शहर है, जिसका कू क्लक्स क्लान के साथ एक लंबा इतिहास रहा है। यह संदर्भ 1920 के दशक और 2021 में एक पाकिस्तानी-कनाडाई परिवार की नस्लवादी हत्या का है। एक सक्रिय क्लब का आगमन, जिसने खुद को टोरंटो (देश का सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र) जैसे अन्य आस-पास के शहरों और कस्बों में भी दिखाया है, अपेक्षाकृत नया विकास है। 'हमारे शहर हैमिल्टन में आपका स्वागत है'। उसी कनाडाई सक्रिय क्लब की एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा था, जिसका प्रतीक निशान ओंटारियो के सबसे बड़े शहरों में से एक के साइन बोर्ड के बगल में एक स्टिकर पर लगा था-'लोक-परिवार-भविष्य!'

दुनिया भर में, कनाडा ही एकमात्र ऐसा देश नहीं है जहां इन क्लबों का चलन बढ़ रहा है। ये फिटनेस और मिश्रित मार्शल आर्ट समूह हैं जो स्थानीय जिम और पार्क में संचालित होते हैं और नव-नाजी और फासीवादी विचारधाराओं का समर्थन करते हैं। अमेरिका के कई राज्यों में पहले से ही फैल रहे ये सक्रिय क्लब खुले तौर पर मर्दवाद के प्रति जुनून से ऐतिहासिक प्रेरणा लेते हैं। यूरोपीय फुटबाल की गुंडागर्दी से ये आधुनिक प्रेरणा लेते हैं।

ग्लोबल प्रोजेक्ट अगेंस्ट हेट एंड एक्सट्रीमिज्म (जीपीएएचई) द्वारा प्रकाशित हालिया शोध से पता चला है कि 2023 से ये क्लब स्वीडन, कनाडा, आस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, यूके, फिनलैंड में नए सिरे से उभर रहे हैं। पहली बार लैटिन अमेरिका में चिली और कोलंबिया में दो अध्याय खुल रहे हैं। जीपीएएचई के शोध के अनुसार, अब 27 देशों में इसकी शाखाएं हैं, जिनमें नई युवा शाखाएं हैं। ये हिटलर युवा शैली के क्लबों के समान हैं जो अमेरिका और विदेशों में फैल रही हैं। ये तेजी से पश्चिमी देशों में फैल रही हैं और युवा पुरुषों को नस्ल युद्ध को बढ़ावा देने वाली जहरीली, अति-दक्षिणपंथी विचारधाराओं में भर्ती कर रही हैं।

जीपीएएचई के संस्थापक हेइडी बेरिच ने कहा कि एक्टिव क्लब माडल को राब रुंडो द्वारा डिजाइन किया गया था। उन्होंने एक कुख्यात नव-नाजी और न्यूयार्कर का जिक्र किया, जिसे 2024 में कैलिफोर्निया में 2017 की राजनीतिक रैलियों में दंगा करने की साजिश के लिए दोषी ठहराया गया। उस समय के आसपास, रुंडो ऐसे अभियान का नेता भी था जो एक नव-नाजी गिरोह था, जिसके चार सदस्यों पर 2017 में वर्जीनिया के चार्लोट्सविले में 'यूनाइट द राइट रैली' में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाए गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने फासीवादी विचारधारा और भर्ती के नए केंद्र के रूप में अनुयायियों के बीच सक्रिय क्लबों के विचार को फैलाने का काम शुरू कर दिया।

बेरिच ने कहा कि जहां तक हम जानते हैं, रुंडो व्यवस्थित तरीके से आंदोलन के अध्यायों से सीधे तौर पर जुड़े नहीं हैं, लेकिन इस तरह के अध्याय उनसे और उनकी विचारधारा से प्रेरित हैं। बेइरिच ने बताया कि हालांकि रुंडो का इन समूहों में हाथ होने की संभावना नहीं है, लेकिन यह उनके सक्रिय क्लबों के स्वायत्त और स्थानीय होने के मूल दृष्टिकोण से मेल खाता है। लेकिन श्वेत लोगों की बड़ी आबादी वाले देशों में सक्रिय क्लबों की कई शाखाएं जिनमें से कुछ ने हाल के वर्षों में खुले तौर पर नस्लवाद और देशभक्ति की ओर रुख किया है। एक-दूसरे को वैश्विक संघर्ष के रूप में प्रचारित करती हैं और टेलीग्राम एप पर खातों के एक नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। विशेष रूप से खातों का एक समूह, जो आनलाइन नव-नाजियों के बीच एक प्रकार से रुझान निमार्ता बन गया है, ने दुनिया भर में कई स्थानीय सक्रिय क्लब अध्यायों को बढ़ावा दिया है।

हर तरफ जाम, हर सांस में धुआं, क्या भारत शहरों में सफर आसान बनाने के लिए जर्मनी-सिंगापुर मॉडल अपनाएगा?

दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहर यातायात जाम की चपेट में हैं। बंगलुरु जैसे शहर में तो यातायात को सुचारु बनाने के लिए अधिकांश सड़कों पर एक दिशा में ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी गई है। दिल्ली हो या आगरा, लखनऊ हो या चेन्नई, न सिर्फ महानगरों, बल्कि शहरों में भी जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। जाम में फंसने से लोगों की उत्पादकता पर तो असर पड़ता ही है, साथ ही प्रदूषण जैसी समस्याएं भी पैदा होती हैं। उत्तर भारत में तो सर्दियां आते ही प्रदूषण की स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि पुरानी गाड़ियों के चलाने पर रोक तक लगा दी जाती है। प्रदूषण और जाम का सबसे बड़ा कारण है निजी वाहनों की अनियंत्रित होती संख्या। हालांकि सरकार की नीति हमेशा से यही रही है कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। हालात यह है कि सरकार सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल पर जोर देती है, लेकिन उसकी नीतियां ऐसी हैं कि निजी वाहनों को बढ़ावा मिलता है।

अगर विशेषज्ञों की मानें, तो दिल्ली जैसे शहर में ही 57 फीसद से अधिक लोग निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं, जबकि कायदे से होना यह चाहिए कि शहर के कम से कम 70 से 80 फीसद लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। पंद्रह साल पहले चीन के बेजिंग शहर की भी लगभग वही स्थिति थी, जो अमूमन सर्दियों में दिल्ली और एनसीआर के शहरों की होती है। मगर बेजिंग में जब सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने समेत कुछ ठोस कदम उठाए गए, तो 2013 से हालात बदलने शुरू हुए और 2020 आते-आते स्थिति पूरी तरह काबू में आ गई।

दरअसल, निजी गाड़ियों की

बढ़ती संख्या से समस्या जटिल हो रही है। दिल्ली में ही औसतन रोजाना 1800 से 2000 नए वाहन सड़कों पर आ जाते हैं। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। शहरों में तो हालात ऐसे हैं कि लोगों के लिए दुपहिया रखना जरूरी हो जाता है, क्योंकि वहां सार्वजनिक परिवहन के नाम पर आटो ही चलते हैं। ऐसे में जितनी तेजी से निजी वाहन बढ़ती हैं, उतनी रफ्तार से सड़कें नहीं बढ़ रहीं। नतीजा, यातायात जाम से वक्त और ईंधन की बर्बादी तो होती ही है, साथ ही प्रदूषण की समस्या भी खड़ी हो जाती है। हालांकि वर्ष 2014 के बाद मेट्रो का विस्तार तेजी से हुआ है। दिल्ली, बंगलुरु, चेन्नई और मुंबई के अलावा लखनऊ, जयपुर और गोरखपुर जैसे शहरों में भी मेट्रो दौड़ने लगी है। फिर भी इन शहरों में सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को आदर्श नहीं कहा जा सकता। तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में तो फिर भी तिपहिया या उसी तरह के साधनों से काम चल जाता है, लेकिन बड़े महानगरों और विकसित शहरों में हालात खराब हैं।

सभी सरकारें तर्क देती हैं कि वे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना चाहती हैं और इस दिशा में काम भी कर रही हैं। कुछ सरकारें अपने राज्यों के शहरों में मेट्रो और आधुनिक बसें चलाती भी हैं। मगर क्या हर शहर में मेट्रो की इतनी लाइनें बिछ रही हैं कि पूरे शहर को आने-जाने का साधन मिल जाए या फिर इन शहरों में पर्याप्त बसें चल रही हैं? दूसरी बात ये कि क्या मेट्रो या बसें चलाने से ही सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा? अगर सरकारें वाकई गंभीर हैं, तो उन्हें दूसरे देशों के माडल को समझ कर अमल करना होगा। इसके लिए उसे सार्वजनिक वाहनों पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है।

उदाहरण के तौर पर देखें, तो दिल्ली समेत कुछ शहरों में मेट्रो चला दी गई है। कुछ शहरों में मेट्रो का निर्माण चल रहा है। लेकिन क्या मेट्रो का किराया इतना है कि वह निजी गाड़ी से सस्ता हो। अभी स्थिति यह है कि दिल्ली जैसे शहर में मेट्रो शुरू होने के तेईस वर्ष बाद भी मेट्रो और बस का किराया एक नहीं है। कार्ड भले ही एक चले, लेकिन दोनों के लिए अलग-अलग किराया देना होता है।

आम लोगों के लिहाज से ज्यादा किराया किसी भी सार्वजनिक परिवहन की परिकल्पना को अधूरा बनाता है। जर्मनी जैसे देश को देखा जा सकता है। यहां अड्ठावन यूरो का अगर पास लिया जाता है, तो सिर्फ किसी एक शहर नहीं, बल्कि पूरे देश में किसी भी मेट्रो, बस, ट्राम और यहां तक कि लोकल ट्रेन में भी सफर किया जा सकता है। यानी एक बार यात्री ने एक महीने का पैसा दिया, तो वह पूरे देश में तेज रफ्तार ट्रेनों के अलावा सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल कर सकता है। वहां सार्वजनिक परिवहन पर निवेश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मेट्रो, बस और ट्राम आदि के निर्माण पर तो वहां के स्थानीय निकाय पैसा लगाते ही हैं, साथ ही सरकारें डेढ़-डेढ़ अरब यूरो की सबसिडी भी देती हैं।

जर्मनी में इसी साल इसे और बढ़ाने की योजना है। वहीं भारत में केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर मेट्रो निर्माण के लिए पचास फीसद तक राशि देती हैं। निर्माण के वक्त ही मेट्रो कंपनियों को चालीस फीसद या उससे अधिक कर्ज लेकर काम करना पड़ता है। ऐसे में मेट्रो का किराया सस्ता नहीं रह जाता। बड़ी बात यह है कि भारत में मेट्रो जैसी परियोजना को बुनियादी ढांचा परियोजना माना जाता है, जबकि जर्मनी में इसे सार्वजनिक सेवा परियोजना के तौर पर लिया जाता है। लगभग यही स्थिति सिंगापुर की है। इसी वजह से वहां सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वालों की संख्या 70 से 80 फीसद तक होती है।

भारत में भी केंद्र और राज्य सरकारें सार्वजनिक परिवहन के मामले में निवेश का ढांचा खड़ा करती हैं। कायदे से सरकार को सबसे पहले मेट्रो के साथ ही ये इंतजाम करने चाहिए कि बसें भी उसी तरह समय पर चलें, जैसे मेट्रो चलती है। सड़क पर ऐसी व्यवस्था हो कि बसों को प्राथमिकता मिले ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि मेट्रो की तरह बसें भी यात्रियों को तय समय-सीमा में उनकी मंजिल तक पहुंचाएंगी। इसके लिए सरकार को हर शहर में सड़कों पर 'लेन सिस्टम' प्रभावी करना होगा और अतिक्रमण हटाना होग। अगर सरकारें वोट बैंक का लालच छोड़ दें, तो कई छोटे शहरों में मेट्रो की बजाय बेहतरीन बस व्यवस्था बना कर वे लोगों को मेट्रो जैसी सहूलियत दे सकती हैं। बसों और मेट्रो का किराया कम और गरीब तबकों की भी पहुंच में रखना चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन पर बड़ा निवेश होगा, तो इसका बड़ा लाभ भी होगा। एक अनुमान के मुताबिक, यातायात जाम में फंसने की वजह से ही सालाना एक लाख करोड़ रुपए की उत्पादकता की हानि होती है। इसी तरह से अगर सार्वजनिक परिवहन बेहतर होगा, तो निजी वाहनों की संख्या कम होगी। इससे सड़कों पर बोझ कम होगा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए खर्च होने वाली मोटी रकम बचेगी। सड़क हादसे कम होंगे। उससे होने वाले नुकसान में कमी होगी। इसके अलावा आबोहवा सुधरेगी, तो बीमारियों की वजह से पड़ने वाला बोझ भी कम होगा। ये तभी संभव है, जब न सिर्फ केंद्र बल्कि राज्य सरकारें भी इस मामले में एकजुट हों और मेट्रो तथा बसों को लोक सेवा के रूप में देखें।

सिर्फ मन का एक वादाष्ठ और मोबाइल की लत से मिली आजादी, जहां वक्त भी अपना और रिश्ते भी मजबूत

हम जानते हैं कि जिस तरह एक शिक्षक, एक इंजीनियर, एक चिकित्सक को अपने पेशेवर जीवन को लगातार अद्यतन करते रहने की जरूरत होती है। ठीक इसी तरह हम सभी को अपने काम ही नहीं, बल्कि अपने जीवन को भी देखते और तौलते रहने की जरूरत होती है। अभी कुछ दिनों पहले एक परिचित का कहना था कि उनका बेटा स्मार्टफोन के बिना खाना तक नहीं खाता। ऐसे में मां उसे फोन पकड़ा कर इस परेशानी से छुटकारा पाती हैं। उन्हें उसकी जिद के आगे और कोई रास्ता ही नहीं सूझता। जब तक बच्चे को फोन नहीं मिलता, वह जिद करता है, जमीन में लोटने लगता और रोने लगता है। हालत यह है कि उसे सुबह उठते ही फोन चाहिए। उस बच्चे को फोन की आदत छुड़वाने के लिए उसे समझाया गया, उसके साथ सख्ती भी बरती गई, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

सवाल है कि बच्चे की इस मुश्किल का स्रोत क्या था। घरों में आमतौर पर यह देखा जा सकता है कि मां या पिता जब भी खाली होते हैं, बस तुरंत अपना मोबाइल उठा कर देखने में मशगूल हो जाते हैं। एक काम से दूसरे काम के अंतराल के बीच दिन में कई बार वे फोन पर घंटों व्यस्त रहते हैं। देर रात में तो ईमेल, रील और सोशल मीडिया देखते हुए कब घंटे गुजर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। ऐसे लोगों के लिए समय काटने का सबसे अच्छा साधन फोन है। बहुत से मोबाइल उपभोक्ता जानते हैं कि स्क्रीन पर लगातार देखते रहने से उनकी आंखों की रोशनी पर असर पड़ता है। मोबाइल की आवाज से दूसरों को शोर महसूस होता है। कान में ईयरफोन लगाकर सुनने से श्रवण क्रिया बाधित हो सकती है।

लगातार रील देखते रहने से हमारे शरीर में डोपामाइन का स्तर तेजी से बदलने लगता है, जिससे शरीर के हार्मोन पर प्रभाव पड़ता है और यह शरीर के लिए हानिकारक है। चिकित्सकों के अनुसार लगातार फोन का इस्तेमाल करने से आंखों में जलन, सिरदर्द, नींद की कमी और तनाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्मार्टफोन की लत बच्चों में शारीरिक, मानसिक उथल-पुथल और भावनाओं को प्रभावित करती है। बच्चों का हमउम्र बच्चों के साथ खेलना, परिवारजनों का आपसी संवाद कम होना भी इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।

केवल घर-परिवारों में ही नहीं, अब सड़कों पर मोटरसाइकिल

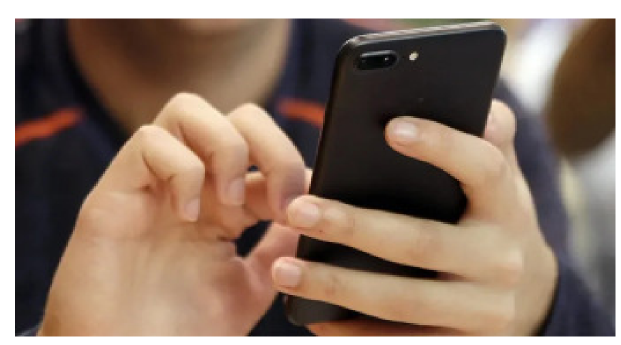

चलाते हुए लोग भी मोबाइल पर बात करते मिल जाएंगे। यह नियमों के विरुद्ध है, लेकिन कहां-कहां और किस तरह से लोगों को रोका जा सकता है? सार्वजनिक परिवहन के रूप में बस में यात्रा करते हुए आसपास से मोबाइलों पर रील, फिल्म या गाने चल रहे होते हैं। कई बार उन सबकी आवाज इतनी गड्डमड्ड हो रही होती है कि ठीक से किसी एक मोबाइल की आवाज को सुना नहीं जा सकता। यह एक तरह की असभ्यता है, क्योंकि ज्यादा संभावना यह है कि किसी अन्य व्यक्ति के तेज स्वर में स्मार्टफोन बजाने से किसी को बहुत परेशानी हो रही हो।

इसके अलावा, अगर हम आम लोगों की बात करें तो हमने अपने को व्यस्त रखना, हो-हल्ले के बीच जीना चुन लिया है, तो ऐसे में हमारे जीवन से सजगता धीरे-धीरे क्यों इतनी दूर होती जा रही है कि हम बिना किसी सजगता के बस कुछ भी किए जा रहे होते हैं।

इसी तरह कई बार सामान्य बातचीत में लगातार अभद्र बातों और अपशब्दों का प्रयोग करना हमारी आदत का कब हिस्सा बन जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। जब घर में बच्चे हमारी भाषा सुनते हैं तो वे भी अनायास ही उनका प्रयोग करने लगते हैं। ऐसे में हम बड़े अगर बच्चों को टोकते हैं तो वे सामने तो रुक जाते हैं, लेकिन पीछे से उन आदतों को अपना लेते हैं और फिर वे उनकी भाषा या कृत्य उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं। इसी तरह किसी भी प्रकार का नशा, कुछ भी चबाते रहने की या अन्य कोई भी आदत हो सकती है। अगर हम चाहते हैं कि बच्चों में इस तरह की आदतें या कमियां नहीं रहें तो पहले हमें आहिस्ता-आहिस्ता अपने पर काम करना होगा।

हम छोटे-छोटे स्वयं से संकल्प कर सकते हैं। जैसे हर रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक मोबाइल को नहीं छूना। हां, कोई फोन आए तो फोन उठाएंगे, लेकिन स्वयं फोन या किसी प्रकार की सामग्री को नहीं देखना है। धीरे-धीरे हम खुद महसूस करने लगेंगे कि यह कितना आसान था, लेकिन संकल्प नहीं किया था तो बस चल रहा था और लग रहा था कि यह आदत हमसे छूट ही नहीं सकेगी। हम पाएंगे कि अपनी किसी बुरी आदत पर काम करने से हमें कितनी राहत मिली है। हमें लगने लगता है कि पिछले दिनों हमने कितना समय, ऊर्जा और रचनात्मकता इसके पीछे नष्ट कर दी।

कहते हैं कि 'कोई किसी को रोक तो सकता है, लेकिन सुधार इंसान अपने में स्वयं ही करता है।' स्वयं से प्रण करना हमें भटकाव से रोकता है और सही दिशा में जाने के लिए प्रेरित करता है। हम देखेंगे कि हमारी इस आदत का परिवारजनों पर भी प्रभाव पड़ने लगा है और परिवार एक बुरी आदत से छुटकारा पाकर आगे निकलने लगता है। हमारे जीवन में बहुत सारी चीजें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। जब एक आदत में सुधार होने लगता है तो दूसरी अन्य चीजें अपने आप सुधरने लगती हैं और एक सकारात्मकता और रचनात्मकता का संचार होने लगता है।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है।

इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

मां दुर्गा पूजा पंडालों के आयोजकों से वार्ता कर पंडालों में लगाये गये अग्निशामक उपकरणों की स्थिति को चेक करते हुए आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव के संबंध में दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

जिला अधिकारीव पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन अथर्व का किया गया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शारदीय नवरात्रि पर्व व मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के दृष्टिगत शैलेश कुमार जिलाधिकारी भदोही एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा बालिकाओं/महिलाओं/आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाने व बेहतर कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु जनपद भदोही के थाना ज्ञानपुर अंतर्गत मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल सिंहपुर नहर पुलिया, थाना गोपीगंज क्षेत्र अंतर्गत रामलीला मैदान व काली मोहाल दुर्गा पंडाल गोपीगंज, थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल उगापुर, जद्दोपुर नहर पुलिया एवं थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भदोही अजीमुल्ला पैदल गस्त/भ्रमण करते हुए मां दुर्गा पूजा पंडालों/महत्वपूर्ण स्थानों/चौराहों भीड़-भाड़ वाले इलाके/बाजारों में पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गस्त किया गया। अधिकारी/कर्मचारीगण को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान व्यापारियों/आम-जनमानस से संवाद स्थापित कर विभिन्न स्तरों पर समस्या उत्पन्न करने वाले अपराधियों, असामाजिक तत्वों एवं शरारती तत्वों के सम्बन्ध में जानकारी की गयी एवं सम्बन्धित को माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

माँ दुर्गा पूजा पंडालों/मेला की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया एवं पंडालों में लगाये गये अग्निशामक उपकरणों की स्थिति को चेक किया गया। आपदा की स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव संबंधी जानकारी की गयी ताकि अप्रिय घटना की स्थिति में राहत व बचाव का कार्य त्वरित किया जा सके। पूजा पण्डालों/मेला के आस-पास बिजली के तारों की स्थिति को भी चेक किया गया। समिति के लोगों को पंडाल प्रबंधन से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। विशेष रूप से सभी बड़े पंडालों में ण्ण्ऊन्न कैमरे का अधिष्ठापन, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था के साथ साथ पूजा पंडालों के सेफ्टी मेजर के संबंध में निर्देश दिए गये। इसके अतिरिक्त बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक कर सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया।

इस दौरान व्यापारियों/दुकानदारों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का एहसास दिलाया गया। सी.सी.टी.वी कैमरों के संबंध में बताया गया कि कैमरा ऐसी जगह लगाया जाए जिससे दुकानों पर आने-जाने वालों की तस्वीर स्पष्ट रूप से कैमरे में आ सके एवं दुकानों में भी अग्निशामक उपकरणों को चेक कर उनके उचित रखरखाव एवं सुरक्षा हेतु जागरूक किया गया।

बच्चे के परिजनो को सुपुर्द करने पर पुलिस द्वारा भूरि- भूरि प्रशंसा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी निवासी जुनैद अहमद पुत्र भूलन द्वारा मिशन शक्ति केंद्र थाना खेसरहा पर सूचना दी गयी कि मेरा पुत्र शोएब खान उम्र करीब 13 वर्ष कल रात में घर से कही चला गया है और मिल नही रहा है । डॉ0 अभिषेक महाजन, पुलिस अधीक्षक द्वारा 'महिला सशक्तिकरण, एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण में अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष खेसरहा के निर्देशन में थाना खेसरहा मिशन शक्ति टीम द्वारा द्वारा 03 घण्टे के अन्दर सकुशल बच्चे को बरामद कर उसके पिता जुनैद अहमद को सुपुर्द किया गया। मिशन शक्ति टीम की बच्चे के परिजनो द्वारा भूरि- भूरि प्रशंसा की ।

नवमी को हवन के साथ संपन्न हुआ दुर्गा पूजनोत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के बेरासपुर में बाबा बेरासनाथ धाम में आयोजित दुर्गा पूजनोत्सव बुधवार को विधि विधान से मां दुर्गा के पूजन और हवन के साथ संपन्न हुआ। शारदीय नवरात्र में आयोजित दुर्गा पूजनोत्सव के अंतिम दिन पंडित संदीप मिश्रा ने मां दुर्गा का विधि विधान से पूजन और हवन कराया और मां दुर्गा समेत तमाम देवी देवताओं को विसर्जित किया। इस मौके पर मुख्य यजमान राजेंद्र प्रसाद मिश्रा ने सपत्निक पुरे नौ दिन तक पूजन किया। बुधवार को मैया रानी के अंतिम पूजा और आरती के समय तमाम लोगों के आंखों से आसू निकल पड़े। पूजन और हवन के बाद प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस दौरान महाराज संदीप महाराज ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि माता रानी की कृपा अपने भक्तों पर ठीक वैसे ही होती है जैसे एक माता की अपने अबोध बालक पर होती है। संदीप महाराज ने कहा कि मैया रानी की कृपा अपने सभी भक्तों पर होती है, हमेशा मैया अन्याय और पाप करने वालों को उसके कर्मो के हिसाब से दंड देती है। कहा कि लोगों को सच्चे मन से मां से अपनी मांग करनी चाहिए। कहा कि मैया रानी कभी भी अपने भक्तों से नाराज नहीं होती है। मूर्ति का विसर्जन करने से मां का मन से विसर्जन नहीं होना चाहिए हमेशा मां का नाम मन में होना चाहिए। इस मौके पर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, राहुल तिवारी, कमलेश यादव, कमलेश सरोज, बबलू शर्मा, रोहित तिवारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नवमी को हवन के साथ संपन्न हुआ पूजनोत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ज्ञानपुर मेंआयोजित दुर्गा पूजनोत्सव बुधवार को विधि विधान से मां दुर्गा के पूजन और हवन के साथ संपन्न हुआ। शारदीय नवरात्र में आयोजित दुर्गा पूजनोत्सव के अंतिम दीन मां दुर्गा का विधि विधान से पूजन और हवन कराया और मां दुर्गा समेत तमाम देवी देवताओं को विसर्जित किया। इस मौके श्रीमती वंदना चक द्वारापर नौ दिन तक पूजन किया। बुधवार को मैया रानी के अंतिम पूजा और आरती के समय तमाम लोगों के आंखों से आसू निकल पड़े। पूजन और हवन के बाद कन्याओं का पांव पखार कर पूजन के बाद उनको प्रसाद खिलाकर यथावत दक्षिणा देकर विदा किया गया कन्या माता शक्ति के स्वरूप होती हैं ताकि माता की कृपा सदैव बनी रहे।

गरीबों को लंच पैकेट बांटकर मनाया युवा जिला पंचायत सदस्य ने अपना जन्मदिन

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावा। क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 के युवा जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह ने जब अपने क्षेत्र में पहुंचे तो क्षेत्र वासियों ने जगह-जगह भव्य स्वागत अभिनंदन किय इसके बाद सुरियावां क्षेत्र के अभिया, बहुता, साडा, विसापुर, बलीपुर दर्जन से अधिक ग्राम सभा में लंच पैकेट वितरण किया और इस दौरान उन्होंने कहा है ज्यादातर लोग परिवार और दोस्तों के साथ अपने जन्मदिन को मानते हैं लेकिन जो लोग ऐसी जरूरतमंद लोगों के बीच जन्मदिन मनाते हैं वह सही माने में यही अपनी खुशी की जाहिर करने का सबसे अच्छा तरीका होता है उन्होंने अपील किया है कि आजकल केक काटकर एक दूसरे के मुंह में लगाने का चलन है उसे एक दूसरे के मुंह में न लगाकर बचे हुए केक को ऐसे लोगों को भी जाकर वितरित करें जो उसको खाकर आपको दुआएं और उनका पेट भर सके क्योंकि खुशियां को ऐसे लोग के बीच मनाने में भी आपकी वजह से खुशी अनुभव कर सके इस अवसर पर युवा समाजसेवी दिनेश यादव दादा, पवन यादव, प्रिंस सिंह , संदीप पाल , डा. श्रीकांत चौहान, अमन सरोज , आदर्श सिंह, शिवा गौतम, अजय मोदनवाल, पीयूष सिंह, जयप्रकाश गौतम, राकेश आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपाइयों की काली कमाई का 'स्वर्णीकरण' करने की वजह से बढ़ रहे सोने के दाम : अखिलेश

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी जनता की मांग की वजह से नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की 'काली कमाई का स्वर्णीकरण' करने की वजह से हो रही है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में आरोप यह भी आरोप लगाया कि 'भाजपाइयों के बीच मची बहुमूल्य धातुओं की जमाखोरी की वजह से अब तो चांदी भी ग़रीब की पहुंच से बाहर हो गयी है।' उन्होंने कहा कि इस वजह से हालात ऐसे हो गए हैं कि गरीब आदमी शादी-ब्याह में आशीर्वाद स्वरूप अपनों को सोने की एक लौंग तक नहीं दे सकता है।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सोने के दाम सारे रिकॉर्ड तोड़कर एक लाख 20 हज़ार प्रति तोला तक पहुंच रहे हैं। इसी पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया, 'भाजपा राज में सोने के दामों का बेतहाशा बढ़ने का कारण आम जनता के बीच सोने की मांग बढ़ना नहीं है बल्कि इसका कारण महाभ्रष्ट भाजपाइयों की तरल काली कमाई को ठोस में बदलनेवाला 'स्वर्णीकरण' है।

यादव ने कहा, ''अब भाजपाई प्रचारतंत्र ये कहेगा कि भाजपा सरकार क्या करे, सोने के दाम तो अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से तय होते हैं। अगर ये सच है तो सरकार इस बात का खुलासा करे कि दाम बढ़ने के बावजूद भी अर्थव्यवस्था के किस नियम और सिद्धांत के तहत विलासी-धातुओं के दाम बढ़ रहे हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या सोने की जमाखोरों के लिए भाजपा सरकार में किसी के पास कोई ड्रोन, दूरबीन या बुलडोज़र नहीं है। उन्होंने कहा, 'कहीं ऐसा तो नहीं जिसे लोग लोहे का 'डबल इंजन' समझ रहे हैं वो भी अंदर से सोने का हो चुका है।

बृहस्पतिवार को विजय-दशमी और शुक्रवार को भरत मिलाप मेले का आयोजन

मतेथू की रामलीला में रावण दहन बृहस्पतिवार को, जबरदस्त उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

दुर्गागंज। अभोली ब्लॉक के मतेथू गांव में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर जय बजरंग रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला के आठवें दिन बुधवार को विभीषण-शरणागति, अंगद-रावण संवाद, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध और अहिरावण वध का मंचन किया गया।

लंका युद्ध की तैयारियों के बीच रावण के छोटे भाई विभीषण ने बार-बार उसे श्रीराम से युद्ध न करने और माता सीता को लौटा देने की सलाह दी, लेकिन रावण अपने अहंकार और क्रोध में किसी की बात मानने को तैयार न हुआ। अपमानित होकर विभीषण ने रावण का साथ छोड़ प्रभु श्रीराम की शरण में जाने का निश्चय किया। आकाश मार्ग से समुद्र तट पर उतरकर जब विभीषण ने श्रीराम की शरण मांगी तो वानर सेना में संदेह उत्पन्न हुआ कि कहीं वह रावण का जासूस न हो। सुग्रीव सहित अन्य वानरों ने विरोध जताया, किंतु श्रीराम ने स्पष्ट कहा कि जो कोई भयभीत होकर उनकी शरण में आता है, उसे वे अवश्य आश्रय देते हैं, चाहे वह शत्रु ही क्यों न हो। प्रभु की आज्ञा के बाद विभीषण का स्वागत किया गया। इस प्रसंग में श्रीराम ने विभीषण को सच्चा भक्त और धर्मनिष्ठ मानते हुए लंका का भावी राजा घोषित किया। यह लीला शरणागति की महिमा को उजागर करती है कि सच्चे मन से भगवान की शरण लेने वाला विपरीत परिस्थितियों में भी परम शांति और कृपा का अधिकारी बन जाता है।

मंचन में दिखाया गया कि रामलीला में हनुमान जी की लंका से वापसी के बाद श्रीराम ने रावण से युद्ध की घोषणा कर दी। श्रीराम के निर्देश पर बाली के पुत्र युवराज अंगद रावण को समझाने के लिए लंका भेजा जाता है। वहां उन्होंने अपनी वीरता का प्रदर्शन करते अपने पांव को रावण के दरबार में जमा दिया। कहा कि, लंका का कोई भी वीर उनका पैर हिलाकर दिखाए।

अंगद कुमार रावण से कहते है कि राजमद या मोहवश तुमने माता सीता का हरण किया है, लेकिन मेरी तुम्हारे लिए हितकारी सलाह है कि तुम अपनी भूल स्वीकार कर श्रीराम की शरण में आ जाओ। प्रभु राम क्षमा कर देंगे। अंगद कुमार की इन बातों का रावण भरी सभा में उपहास करते हैं।

लंकेश से अंगद ने जब सीता को प्रभु राम को वापस करने का विनय किया तब रावण ने क्रोधित होकर कहा कि उन दोनों तपस्वियों से कह दो कि मुझसे युद्ध करें। तभी सभा में अंगद कहते हैं कि यदि कोई वीर है तो उनके पैर को जमीन से उठाकर दिखाए। रावण की सभा में बैठे महान पराक्रमी योद्धा एक-एक करके जाते हैं। लेकिन कोई भी अंगद का पैर टस से मस नहीं कर पाता।

तब रावण का पुत्र इंद्रजीत भी अंगद के पैर को पकड़ता है, लेकिन उसका प्रयास भी विफल जाता है। यह देखकर दरबार के सभी लोग सहम जाते हैं। सभी के विफल होने पर जब रावण खुद अंगद का पैर हटाने के लिए आया, तो अंगद ने कहा कि मेरे पैरों के बजाय भगवान श्रीराम के चरणों में जाओ, तुम्हारा कल्याण होगा। इसके बाद राम की सेना लंका पर चढ़ाई कर देती है। मेघनाद एवं लक्ष्मण का युद्ध होता है। मेघनाद लक्ष्मण को शक्ति मारकर मूर्छित कर देता है, तब पवन पुत्र हनुमान संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण जी के प्राण बचाते हैं। अंगद का रोल सचिन ढंडाल व रावण का रोल राहुल कटारिया ने निभाया।

इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रेमशंकर पाठक, नागेन्द्र बहादुर सिंह, गौरव तिवारी, सुनील कुमार सिंह, अभिषेक कुमार पांडेय, ज्ञानेश तिवारी, आशीष पाठक, अमन तिवारी, निशांत कुमार पाठक आदि मौजूद रहे।

चेन्नई निर्माण स्थल पर बड़ा हादसा! निर्माणाधीन इमारत गिरने से 9 मजदूरों की मौत, ठेकेदार पर गिरी गाज, जांच के आदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एन्नोर स्थित नॉर्थ चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन के निर्माण स्थल पर मंगलवार को हुए एक बड़े हादसे में नौ मज़दूरों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, निर्माणाधीन एक मेहराब लगभग 30 फीट नीचे गिर गया, जिससे कई प्रवासी मज़दूर दब गए। एक मज़दूर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जबकि दस से ज़्यादा गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को नॉर्थ चेन्नई के स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के सचिव और तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. जे. राधाकृष्णन घायल मज़दूरों से मिलने और स्थिति का आकलन करने के लिए स्टेनली सरकारी अस्पताल गए।आवडी पुलिस आयुक्तालय ने कहा कि इमारत गिरने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। बचाव अभियान जारी है और घटना की जाँच शुरू कर दी गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और तत्काल राहत कार्य के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक परिवार के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे की भी घोषणा की और शवों को उनके गृह राज्य पहुँचाने की व्यवस्था करने का आदेश दिया।

एन्नोर ताप विद्युत संयंत्र की एक निर्माणाधीन इमारत के ढहने से 30 सितंबर को नौ प्रवासी मजदूरों की मौत के मामले में ठेकेदार के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। नौ मृतक असम के रहने वाले थे। कट्टूर थाने के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।''

स्टालिन ने बिजली मंत्री एस. एस. शिवशंकर और टीएएनजीईडीसीओ के अध्यक्ष के. राधाकृष्णन को दुर्घटनास्थल पर राहत कार्य की तुरंत निगरानी करने का निर्देश दिया है। 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि जब यह हादसा हुआ, तब प्रवासी मजदूर निर्माणाधीन इमारत के नीचे खड़े थे। उन्होंने कहा, ''जिस आधार पर वे खड़े थे, उसके ढह जाने से दस लोग उस ऊंचाई (45 मीटर) से नीचे गिर गए।

बीएचईएल ने डिजाइन और निर्माण का काम अपने हाथ में ले लिया है। नौ लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल (सरकारी रोयापेट्टा स्टेनली अस्पताल) लाया गया, जबकि एक व्यक्ति का इलाज चल रहा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जबकि स्टालिन ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुंथगई समेत अन्य नेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा पंडाल बना रहा आकर्षक का केंद्र, भक्तों की भारी भीड़

दर्जनों बंगाली कारीगरों ने मिलकर तैयार किया है पंडाल, आयोजन का 25 वाँ वर्ष

मान्यता के मुताबिक, दर्शन करने से संतान प्राप्ति की इच्छा होती हैं पूरी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभोली ब्लॉक के ज्ञानपुर-दुर्गागंज मार्ग पर स्थित मतेथू बाजार में स्थापित माँ दुर्गा का भव्य पंडाल आकर्षक का केंद्र बना हुआ है। बंगाली कारीगरों के हाथों तैयार माँ दुर्गा का ये दिव्य और भव्य पंडाल न केवल आकर्षक का केंद्र बल्कि श्रद्धालुओं में खास़ा लोकप्रिय रहता है।

नव दुर्गा पूजा समिति आयोजन के सदस्य डॉक्टर टीके घोष ने बताया कि इस बार का ये आयोजन का 25 वाँ वर्ष है। पिछले करीब चौबीस वर्षों से लगातार माँ दुर्गा की स्थापना की जाती है।

स्थानीय लोगो ने दावा किया कि यहाँ दर्शन करने से लोगों की मान्यताएं पूरी होती है और दावा ये भी है की यहाँ दर्शन करने आने वाले लोगो को संतान की भी प्राप्ति पूरी होती है।

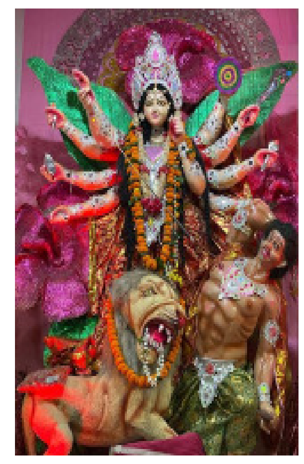

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि जनकल्याण के लिए प्रत्येक वर्षों की भाती इस वर्ष की आयोजन किया गया। बताया की नवमी तक करीब 20 हज़ार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया है।

इस मौके पर आचार्य पंडित विनय कुमार पाठक, ऋषि नारायण पाठक, सूरज पाठक , अभिषेक पांडेय , अशोक पाठक , सर्वेश सिंह , अनिल सिंह, दिलीप पाठक , टीके घोष , नागेश पाठक , स्वतंत्र प्रजापति , सुनील सिंह , भोला नाथ जायसवाल , अंकित जायसवाल , बच्चा शर्मा , रोहित शर्मा आदि मौजूद रहे।

बरेली पोस्टर विवाद में सियासी हलचल!

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा एमएलसी शाहनवाज खान हाउस अरेस्ट, कहा- 'हम मोहब्बत के दूत हैं'

सहारनपुर/बरेली **(एजेंसी)**। बरेली में 'द थ्दन मोहम्मद' पोस्टर को लेकर भड़की हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में बरेली जाने की तैयारी कर रहे कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा एमएलसी शाहनवाज खान को प्रशासन ने बुधवार सुबह हाउस अरेस्ट कर दिया। प्रशासन ने इसे शांति व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता बताया है, जबकि कांग्रेस सांसद ने इसे धर्म आधारित कार्रवाई और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करार दिया है।

लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने यह निर्णय लिया। दोनों नेताओं के आवासों पर मंगलवार रात से ही भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। हर आने-जाने वाले पर निगरानी रखी जा रही है और किसी भी बाहरी व्यक्ति को अनुमति के बिना प्रवेश नहीं दिया जा रहा। प्रशासन का कहना है कि बरेली में पहले से तनावपूर्ण माहौल है, और नेताओं की उपस्थिति से स्थिति और बिगड़ सकती थी। इसलिए एहतियातन कार्रवाई की गई।

हाउस अरेस्ट के बाद मीडिया से बात करते हुए सांसद इमरान मसूद ने कहा, 'मेरे खिलाफ धर्म देखकर कार्रवाई हो रही है। हम शांति के दूत हैं, लेकिन सरकार हमारी हर गतिविधि पर रोक लगा रही है। यह चुनावी डर है, सरकार 2027 से घबराई हुई है।' उन्होंने आगे कहा कि, 'जब फतेहपुर में मजार पर अराजकता फैलाई गई, तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन जब हम मोहब्बत की बात करने निकलते हैं, तो हमें घर में बंद कर दिया जाता है।'

इमरान मसूद ने अपने एक बयान में मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वे नमाज के बाद प्रदर्शन और हंगामों से दूरी बनाए रखें। उन्होंने कहा, 'मस्जिदें इबादत के लिए हैं, हंसा के लिए नहीं। धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक हिंसा के लिए न किया जाए।'

बरेली और सहारनपुर प्रशासन ने दोनों नेताओं की गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए रखी है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति संवेदनशील है और किसी भी भड़काऊ गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और विपक्षी दलों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया है।

योगी राज में गिरा क्राइम का ग्राफ, प्रदेश में सांप्रदायिक दंगे शून्य!

सरकार की कानून व्यवस्था बनी मिसाल एनसीआरबी की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

लखनऊ **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोट ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था की सराहना की है। एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। योगी से पहले यूपी में ऐसा कभी नहीं हुआ। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25इ कम रही, जो 448.3 वेф मुकाबले 335.3 रही। एनसीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद यूपी अब शांति व सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, जो 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति का जीवंत उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं। आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-

2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं।

इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन योगी सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

सीएम योगी की सख्त नीतियों की वजह से राज्य में अपराध पर लगाम लगा है एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39, 260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3, 160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती (395) के मामलों में भारत में 3, 792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे 'नियर जीरो' क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी शासन, सख्त कानूनी कार्रवाई ने अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हुई है। एनसीआरबी की रिपोर्ट योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। यूपी में शांति और सुरक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही योगी सरकार की यह उपलब्धि न केवल यूपी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा है।

नवरात्रि का व्रत रखने पर टीचर ने छात्राओं को बनाया मुर्गा, फिर पीटा

हिंदू देवी-देवताओं पर की अभद्र टिप्पणी बजरंग दल ने स्कूल में किया प्रदर्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में एक सरकारी विद्यालय के अध्यापक ने नवरात्रों में छात्राओं द्वारा व्रत और पूजा करने पर आपत्ति जताई है। वहीं नवरात्रों का व्रत रखने वाली छात्राओं को अध्यापक ने स्कूल में मुर्गा बनाकर सजा दी। जब इस मामले की जानकारी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को हुई तो उन्हेंने स्कूल पहुंचकर वहां हंगामा खड़ा कर दिया। अध्यापक और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में तीखी नोक झोंक देखने को मिली। वहीं मामले की जानकारी होने पर इलाका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

आपको बता दें कि पूरा मामला सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव समामई स्थित कंपोजिट विद्यालय का है। जहां पढ़ने वाली छात्राओं द्वारा नवरात्रों पर व्रत रखने पर विद्यालय के एक अध्यापक पुष्पेंद्र ने आपत्ति जताई और व्रत रखने वाली छात्राओं को अध्यापक ने क्लास रूम में मुर्गा बना दिया। जब इस मामले की जानकारी हिन्दू संगठन के बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हुई तो उन्होंने विद्यालय पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। कंपोजिट विद्यालय में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जय राम के

नारे लगाते हुए प्रवेश किया। जिसके बाद विद्यालय में मौजूद अध्यापक से उनकी नोक झोंक हो गई। सूचना पर पुलिस भी विद्यालय पहुंच गई और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार नवरात्रों का व्रत और पूजा के कारण छात्राएं देरी से स्कूल पहुंची थीं। जिसको लेकर विद्यालय के अध्यापक पुष्पेंद्र ने देरी से आई छात्राओं को 'मुर्गा' बना दिया। वहीं अध्यापक पर देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने का भी गंभीर आरोप लगा है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विद्यालय के प्रधानाचार्य से मिलकर आरोपी शिक्षक को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। घटना के बाद से ही आरोपी अध्यापक फरार हो गया है।

'बरेली मे पूरे मुस्लिम समाज को सजा' आला हजरत दरगाह ने कहा- झूठे मुकदमें लगाए जा रहे, बुलडोजर कर्रवाई रोक दो

बरेली **(एजेंसी)**। बीते शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को लेकर पुलिस लगातार कर्रवाई कर रही है। आरोपियों को पहचान कर दबिश देकर गिरफ्तारी की जा रही है। इसी बीच बरेलवी मुसलमानों की आस्था की प्रमुख केंद्र मानी जाने वाली आला हजरत दरगाह के जिम्मेदार लोगों ने आरोप लगाया है कि पुलिस इस मामले में मनमानी कर रही है। झूठे मुकदमें थोप रही है और बेकसूरों को भी गिरफ्तार कर रही है।

आपको बता दें कि आला हजरत के खानदान से जुड़े और मामले के मुख्य अभियुक्त इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां के भाई तौसीफ रजा खां ने बुधवार सुबह जारी एक वीडियो में एक 'संयुक्त प्रेस बयान' पढ़ा और पुलिस पर बरेली हिंसा मामले में बेकुसूर मुसलमानों को फंसाने का आरोप लगाते हुए मनमानी बंद नहीं होने पर ठोस कदम उठाने की धमकी दी।

इस दौरान तौसीफ ने बताया कि यह संयुक्त बयान आला हजरत दरगाह के पूर्व प्रमुख मौलाना सुभान रजा खां, काजी-ए-हिन्दुस्तान मौलाना असजद रजा खां, खानकाह-ए-कादिया रजिया के सज्जादानशीं मौलाना अहसन रजा खां, मौलाना मन्नान रजा खां और दरगाह आला हजरत से जुड़ी तमाम खानकाहों की तरफ से जारी किया गया है।

आज़म खान और इरफ़ान सोलंकी की रिहाई से सपा में उत्साह

सांसद रुचि वीरा बोलीं- 'अब बनेगी हमारी सरकार'

लखनऊ/रामपुर/कानपुर **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के दो प्रमुख नेताओं, पूर्व सांसद आज़म खान और पूर्व विधायक इरफ़ान सोलंकी की जेल से रिहाई के बाद पार्टी में उत्साह का माहौल है। सपा की राज्यसभा सांसद रुचि वीरा ने इसे 'सकारात्मक संकेत' बताते हुए कहा कि अब समय बदल रहा है और पार्टी के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। करीब 33 महीने जेल में बिताने के बाद पूर्व विधायक इरफ़ान सोलंकी महाराजगंज जेल से बाहर आए। जेल से बाहर निकलते ही उन्हें लेने के लिए भारी संख्या में समर्थक पहुंचे, जिन्होंने 'शेर आया, शेर आया' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में सोलंकी ने अपनी पत्नी, वर्तमान विधायक को समर्थन देने के लिए जनता का आभार जताया।

सपा सांसद रुचि वीरा ने इरफ़ान सोलंकी को मिली जमानत पर बधाई देते हुए कहा, 'कुछ दिन पहले आज़म खान रिहा हुए और अब इरफान साहब को जमानत मिली है, यह बहुत अच्छा संकेत है। अब मुझे लगता है कि हमारी सरकार बनने का समय आ गया है।'

रुचि वीरा ने भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बीजेपी के नेता कटु भाषा का प्रयोग करते हैं। ये लोग संविधान की बात करते हैं, लेकिन कोर्ट के आदेशों का सम्मान नहीं करते। कोर्ट की अवमानना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।' 23 सितंबर 2025 को आज़म खान रामपुर की जेल से रिहा हुए। उन पर धोखाधड़ी और अन्य आरोपों में कई मामले दर्ज थे। रामपुर की विशेष अदालत ने अक्टूबर 2023 में उन्हें, उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आज़म को सात साल की सज़ा सुनाई थी, जो अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ा था। बाद में उनकी पत्नी और बेटे को जमानत मिल गई, लेकिन आज़म खान अन्य मामलों के चलते जेल में ही रहे। अब वे भी रिहा हो चुके हैं।

ट्रंप की योजना का समर्थन, गाजा पर चुप्पी कांग्रेस बोली- मोदी ने की भारत के मूल्यों की उपेक्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजा में भयावह अत्याचारों पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं और यह नैतिक कायरता' तथा भारत के प्रति पूर्ण विश्वासघात है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने और अपने दूसरे अच्छे दोस्त बीबी नेतन्याहू के साथ एकजुटता दिखाने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की नई 20-सूत्रीय योजना का स्वागत किया है। लेकिन उन्होंने कहा कि इस योजना पर बुनियादी और परेशान करने वाले सवाल अभी भी बने हुए हैं।

कांग्रेस नेता ने पूछा, 'प्रस्तावित शासन व्यवस्था में गाजा के लोग खुद कहाँ हैं? एक पूर्ण फ़िलिस्तीनी राज्य के निर्माण का रोडमैप कहाँ है?' उन्होंने यह भी पूछा कि अमेरिका और इज़राइल कब तक फ़िलिस्तीनी राज्य के दर्जे की अनदेखी करते रहेंगे - जिसे संयुक्त राष्ट्र के 157 सदस्य देशों ने पहले ही मान्यता दे दी है, जिसमें भारत ने नवंबर 1988 में इस दिशा में पहल की थी। उन्होंने लिखा, 'पिछले बीस महीनों में गाज़ा में हुए नरसंहार की जवाबदेही कहाँ है?'

रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गाज़ा में हज़ारों नागरिकों की हत्या के लिए ज़िम्मेदार भयानक अत्याचारों पर पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। यह घोर नैतिक कायरता है और भारत के आदर्शों के साथ पूर्ण विश्वासघात है। कांग्रेस गाजा में अत्याचारों पर मोदी सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाती रही है। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने भी पिछले हफ़्ते गाजा में निर्दोष नागरिकों के जारी 'नरसंहार' पर 'गहरा दुःख' व्यक्त किया और कहा कि भारत हमेशा से नैतिक विवेक का प्रतीक रहा है, लेकिन अब शर्मनाक रूप से मूकदर्शक बनकर रह गया है।

मोदी ने मंगलवार को गाजा संघर्ष को समाप्त करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का स्वागत करते हुए कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। ट्रम्प द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उपस्थिति में इस योजना की घोषणा के बाद एक एक्स पोस्ट में, मोदी ने आशा व्यक्त की कि 'सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।'

राजनाथ सिंह बोले- रक्षा विभाग ने सुनिश्चित की सैन्य शक्ति की वित्तीय रीढ़, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की मौन लेकिन महत्वपूर्ण रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबकि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की।

राजनाथ ने रक्षा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को समय पर संसाधन उपलब्ध कराकर परिचालन तत्परता को भी मज़बूत करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि रक्षा विभाग केवल एक

लेखा संगठन नहीं है; यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों की वीरता के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान निहित है।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 'किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मज़बूती में झलकती है' और बजट के कुशल उपयोग के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक, पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक किया जा चुका था, और पिछले वित्तीय वर्ष में 100 प्रतिशत उपयोग हासिल करने के लिए रक्षा विभाग की प्रशंसा की। सिंह ने डिजिटल इंडिया के तहत तकनीक को अपनाने के लिए रक्षा विभाग की सराहना की और ई-रक्षा आवास, निधि 2.0, ट्यूलिप 2.0 और एआई चैटबॉट 'ज्ञान साथी' जैसी पहलों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, 'ये प्रगतिशील सुधार दक्षता और पारदर्शिता के लिए तकनीक को अपनाने में रक्षा विभाग की सक्रिय भावना को प्रदर्शित करते हैं। ये डिजिटल रूप से सशक्त रक्षा वित्त प्रणाली की ओर बढ़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करते हैं।' आधुनिक युद्ध को तेज़ी से तकनीक-संचालित बताते हुए, रक्षा मंत्री ने रक्षा विभाग से अनुसंधान और विकास को सक्षम बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'रक्षा बजट के संरक्षक के रूप में, अनुसंधान एवं विकास को सक्षम बनाने और प्रोत्साहित करने में आपकी भूमिका हमारे सशस्त्र बलों की भविष्य की क्षमताओं के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।'

मोदी सरकार का किसानों को बड़ा तोहफा 2026-27 के लिए रबी एमएसपी में इजाफा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि कुसुम के लिए 600 रुपये प्रति क्विंटल और मसूर के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल की घोषणा की गई है।

रेपसीड और सरसों, चना, जौ और गेहूं के लिए क्रमशः 250 रुपये प्रति क्विंटल, 225 रुपये प्रति क्विंटल, 170 रुपये प्रति क्विंटल और 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। लागत से तात्पर्य उस लागत से है जिसमें सभी भुगतान की गई लागतें शामिल हैं जैसे कि किराये पर लिए गए मानव श्रम, बैल श्रम/मशीन श्रम, पट्टे पर ली गई भूमि के लिए भुगतान किया गया किराया, बीज, उर्वरक, खाद जैसे सामग्री इनपुट के उपयोग पर किए गए व्यय, सिंचाई शुल्क, औजारों और कृषि भवनों पर मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, पंप सेटों के संचालन के लिए डीजल/बिजली आदि, विविध व्यय और पारिवारिक श्रम का अनुमानित मूल्य।

विपणन सत्र 2026-27 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि, केंद्रीय बजट 2018-19 की अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की घोषणा के अनुरूप है। अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर अपेक्षित मार्जिन गेहूँ के लिए 109 प्रतिशत, रेपसीड और सरसों के लिए 93 प्रतिशत, मसूर के लिए 89 प्रतिशत, चने के लिए 59 प्रतिशत, जौ के लिए 58 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है। रबी फसलों के एमएसपी में यह वृद्धि किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करेगी और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करेगी।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नसीम खान ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में खान ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता प्रिंटो महादेवन ने कथित तौर पर राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी थी, जोकि बेहद गंभीर और चिंताजनक बात है।

कांग्रेस नेता ने महादेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी की 'जान पर गंभीर खतरे को देखते हुए उन्हें विशेष सुरक्षा दी जानी चाहिए। खान ने कहा कि राहुल गांधी ने आम लोगों की सुरक्षा और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए लगातार आवाज़ उठाई है।

अजित पवार ने जर्मनी के साथ सहयोग प्रगाढ़ करने के लिए संयुक्त प्रयास का आह्वान किया

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को जर्मनी के साथ हरित ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग प्रगाढ़ करने के लिए एक संयुक्त स्थायी समिति की आवश्यकता को रेखांकित किया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक जर्मनी के महावाणिज्य दूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में अजित पवार से शिष्टाचार भेंट की।

बयान के मुताबिक इस दौरान महाराष्ट्र-जर्मनी सहयोग परियोजनाओं, महाराष्ट्र-बाडेन-वुर्टेमबर्ग साझेदारी में प्रगति, कौशल प्रवासन और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर समझौतों के साथ-साथ प्रशिक्षण और अन्य विषयों से संबंधित पहलों की समीक्षा की गई। जर्मन प्रतिनिधिमंडल में महावाणिज्य दूत क्रिस्टोफ हॉलियर और उप महावाणिज्य दूत शामिल थे।

बयान के मुताबिक बैठक के दौरान अजित पवार ने आने वाले वर्षों में हरित ऊर्जा, सतत गतिशीलता, स्मार्ट शहरों, अनुसंधान और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, उच्च शिक्षा आदान-प्रदान और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र-जर्मनी संयुक्त स्थायी समिति की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया।

पवार ने भरोसा दिया कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में निवेश करने वाले जर्मन उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने महाराष्ट्र के युवाओं के लिए जर्मनी में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और जर्मनी में शिक्षा प्राप्त कर रहे भारतीय छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया।

शाहिद अफरीदी की मोहसिन नकवी को सलाह, पीसीबी या पाकिस्तान मंत्रालय छोड़ें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप ट्रॉफी लेकर चले जाने और उसे विजेता टीम भारत को नहीं देने देने के बाद विवादों में घिरे मोहसिन नकवी को एक पद चुनने को कहा गया है। ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नकवी से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अध्यक्ष या गृह मंत्री में से किसी एक पद को छोड़ने के लिए कहा है। उनका कहना है कि नकवी दोनों मोर्चों पर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रविवार को एशिया कप में हुई गड़बड़ी के बाद, ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नक़वी से यह मांग की है।

उनकी मुश्किलें और भी बढ़ गईं, क्योंकि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी हैं, जिन्होंने भारत के जय शाह के आईसीसी में जाने के बाद यह पद संभाला है। पाकिस्तान एशिया कप में उपविजेता रहा, लेकिन एशिया कप में भारत के हाथों तीन बार मिली हार के कारण आलोचकों ने टीम की खराब बल्लेबाजी और पीसीबी की दूरदर्शिता की कमी की आलोचना की है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की मंगलवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी अब बोर्ड के संचालन को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में अफरीदी ने कहा, 'नकवी साहब से मेरा अनुरोध या सलाह यह है कि आपके पास दो बहुत महत्वपूर्ण पद हैं और ये बड़े काम हैं और इन्हें पूरा करने में समय लगता है। पीसीबी गृह मंत्रालय से बिल्कुल अलग है, इसलिए इसे अलग रखा जाना चाहिए।' रिपोर्ट के अनुसार, 'अफरीदी ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला होना चाहिए। अफरीदी ने कहा, 'यह एक बड़ा फैसला होगा और इसे जल्द से जल्द लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट को विशेष ध्यान और समय की आवश्यकता है।' अफरीदी ने कहा कि नकवी के सलाहकार विश्वसनीय नहीं हैं। नकवी पूरी तरह सलाहकारों पर निर्भर नहीं रह सकते। ये सलाहकार उन्हें कहीं नहीं ले जा रहे हैं, और वह खुद कहते हैं कि उन्हें क्रिकेट के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। अफरीदी ने कहा कि नकवी को अच्छे सलाहकारों की जरूरत है जो खेल के बारे में जानते हों। अफरीदी ने कहा, 'उन्हें (नकवी को) अच्छे और सक्षम सलाहकार नियुक्त करने चाहिए जो खेल के बारे में जानते हों।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि अफरीदी नकवी के दोहरे पदों के बारे में मुखर रहे हैं, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। सूत्रों के अनुसार उन्होंने देश के मजबूत सेना प्रमुख से भी कहा कि वह नकवी को एक पद छोड़कर दूसरे पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दें।

शुभमन गिल ने लंबा बल्लेबाजी अभ्यास किया ट्रेनिंग सत्र में पहुंचे बुमराह, कुलदीप और अक्षर

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच की तैयारियों के अंतर्गत कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को यहां भारत के अंतिम ट्रेनिंग सत्र में लंबे समय तक बल्लेबाजी की जबकि जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की तिकड़ी भी गेंदबाजी अभ्यास के लिए पहुंची।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अंतिम टेस्ट श्रृंखला में 754 रन बनाने वाले गिल पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपनी पहली श्रृंखला में सबसे सफल बल्लेबाज रहे थे। लेकिन अब उनके लिए सफेद गेंद के टी20 क्रिकेट से निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने की चुनौती होगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए चुने गए बल्लेबाजों में गिल एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें हाल में लाल गेंद से खेलने का कोई अनुभव नहीं है जबकि बाकी सभी को मौके मिल चुके हैं।

इस भारतीय टीम में शामिल अन्य

बल्लेबाजों में केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और एन जगदीशन ने हाल में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट श्रृंखला में हिस्सा लिया था। हालांकि यशस्वी जायसवाल 'ए' श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे, पर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र के लिए खेलते हुए मध्य क्षेत्र के खिलाफ उन्होंने दूसरी पारी में तेज अर्धशतक (64 रन) जड़ा।

वहीं मंगलवार की दोपहर हुए पहले नेट सत्र से ब्रेक लेने वाले बुमराह, कुलदीप और अक्षर ने एशिया कप जीतने के बाद लाल गेंद के ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। बुमराह और कुलदीप ने घास वाली मुख्य पिच के बराबर में बनी पिचों पर लंबे समय तक गेंदबाजी अभ्यास किया। भारत और वेस्टइंडीज यहां इसी मुख्य पिच पर बृहस्पतिवार से पहला टेस्ट खेलेंगे। अक्षर ने भारतीय बल्लेबाजों को नेट पर गेंदबाजी भी की।

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मंगलवार को देर तक गेंदबाजी अभ्यास किया था। उन्होंने बुधवार को बल्लेबाजी की और बाद में कुलदीप भी उनके साथ शामिल हो गए। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर भी बुधवार को भारत के ट्रेनिंग सत्र के दौरान मौजूद थे। वह पिछले साल के रणजी ट्रॉफी विजेता विदर्भ और शेष भारत के बीच नागपुर में खेले जा रहे ईरानी कप मैच देखने के लिए पहुंचे हुए थे।

जीएसटी संग्रह से भरा सरकारी खजाना, आए 1.89 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार के वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से राजस्व संग्रह ?1.89 लाख करोड़ रहा। पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा ?1.73 लाख करोड़ था यानी इस बार जीएसटी कलेक्शन में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। यह लगातार दूसरा महीना है जब जीएसटी की आमदनी ?1.85 लाख करोड़ से ऊपर बनी रही। अगस्त में यह ?1.86 लाख करोड़ रहा था, जो सालाना आधार पर करीब 6.5इ की बढ़ोतरी दर्शाता है।

मंत्रालय ने कहा कि लगातार बेहतर कलेक्शन से न सिर्फ सरकारी खजाने को मजबूती मिल रही है बल्कि यह अर्थव्यवस्था में खपत और कारोबारी गतिविधियों की मजबूती को भी दिखाता है।

एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) का कलेक्शन इस साल पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए के पार गया। सितंबर में आईजीएसटी की कमाई 1, 01, 883 करोड़ रुपए रही, जो जनवरी 2025 के रिकॉर्ड 1, 01, 075 करोड़ रुपए से अधिक है। इससे देश के भीतर व्यापार और वस्तुओं के आदान-प्रदान में तेजी का संकेत मिलता है। हालांकि, सेस कलेक्शन में गिरावट आई है। अप्रैल में यह 13, 451 करोड़ रुपए था, जो सितंबर में घटकर 11, 652 करोड़ रुपए रह गया। बावजूद इसके, कुल उएऊ संग्रह पर इसका खास असर नहीं पड़ा।

अगस्त और सितंबर के त्योहारों के दौरान जीएसटी संग्रह 3.8 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि से 7.8इ अधिक है। त्योहारों के कारण बाजार में खरीदारी बढ़ने से सरकार को अधिक टैक्स प्राप्त हुआ। जीएसटी परिषद ने सितंबर की शुरुआत में कर प्रणाली में बड़े सुधार किए। चार स्लैब (5इ, 12इ, 18इ, 28इ) को घटाकर अब केवल दो मुख्य स्लैब 5इ और 18इ रह गए हैं। इसके अलावा, सिन और लग्जरी वस्तुओं पर 40इ टैक्स लगाया गया। ये बदलाव 22 सितंबर से लागू हैं और इनका उद्देश्य टैक्स सिस्टम को सरल बनाना, कारोबारियों के लिए आसान बनाना और आम उपभोक्ताओं को राहत देना है।

ईरानी कप : अथर्व तायडे के शतक ने विदर्भ को संभाला

नागपुर **(एजेंसी)**। अथर्व तायडे (नाबाद 118) की शतकीय और यश राठौड़ (91) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर विदर्भ ने बुधवार को ईरानी कप के मुकाबले में शेष भारत के खिलाफ पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय पांच विकेट पर 280 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आज यहां विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ के लिए अथर्व तायडे और अमन मोखाड़े की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। आठवें ओवर में आकाश दीप ने मोखाड़े (19) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ध्रुव शौरी ने अथर्व तायडे के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रनों की साझेदारी की। 23वें ओवर में मानव सुथार ने पहले ध्रुव शौरी (18) और फिर दानिश मालेवर (0) को आउट कर विदर्भ को झकझोर दिया। उस समय टीम का स्कोर 80 रन था। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये यश राठौड़ ने अर्थव तायडे के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी हुई। 74वें ओवर में मानव सुथार ने शतक की ओर बढ़ रहे यश राठौड़ को आउटकर विदर्भ को चौथा झटका दिया।

यश राठौड़ ने 153 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 91 रन बनाये। कप्तान अक्षय वड़कर (5) को आकाश दीप ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय विदर्भ ने 84 ओवरों में पांच विकेट पर 280 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर दी है। अथर्व तायडे नाबाद 118 और यश ठाकुर नाबाद चार क्रीज पर मौजूद है। शेष भारत के लिए मानव सुथार ने तीन और आकाश दीप ने दो विकेट लिए।

ऑटो कंपनियों ने जारी किए सितंबर बिक्री के आंकड़े, आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑटो कंपनियों ने सितंबर माह के बिक्री के आंकड़े जारी कर दिए हैं और कंपनियों ने बेहतर बिक्री दर्ज की। जिसे बेहतर मानसून और जीएसटी दरों में कटौती का लाभ माना जा रहा है। फेस्टिव सीजन के कारण भी कंपनियों की बिक्री में तेजी दिखाई दी। पढ़ें कैसा रहा कंपनियों का प्रदर्शन....

कंपनी ने सितंबर में कुल 1 लाख यूनिट की बिक्री की, जो अनुमान से अधिक रही। घरेलू बिक्री 10इ बढ़कर 56, 233 यूनिट, तीन पहिया वाहन 30इ बढ़कर 13, 017 यूनिट, और ट्रैक्टर बिक्री 49इ बढ़कर 66, 111 यूनिट दर्ज की गई। निर्यात में 43इ की बढ़त रही और यह 4, 320 यूनिट तक पहुंचा।

कंपनी ने कुल 5.10 लाख यूनिट की बिक्री दर्ज की, घरेलू बिक्री 4इ बढ़कर 3.25 लाख यूनिट और निर्यात 18इ बढ़कर 1.85 लाख यूनिट हुआ। टू-व्हीलर की बिक्री 8इ बढ़ी और कमर्शियल वाहनों की बिक्री 15इ बढ़कर 79, 651 यूनिट रही।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की सितंबर में बिक्री 16इ बढ़कर 31, 091 इकाई हुई, जबकि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की थोक बिक्री 34इ बढ़कर 6, 728 इकाई रही। बढ़ोतरी जीएसटी कटौती और नवरात्रि के त्योहारी सीजन के कारण हुई। टाटा मोटर्स ने सितंबर 2025 में 60, 907 वाहन बेचे, जो सालाना आधार पर 47इ की वृद्धि है और कंपनी की अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। यह तेजी जीएसटी कटौती और नवरात्रि के दौरान बढ़ी मांग के कारण हुई। घरेलू थोक बिक्री भी 45इ बढ़कर 59, 667 इकाई हो गई।

वीएसटी टिलर्स की कुल बिक्री 34.7इ बढ़ी। एसएमएल इसुजु की बिक्री 10इ घटकर 950 यूनिट पर रही। अतुल ऑटो की कुल बिक्री 4.22इ बढ़ी, लेकिन घरेलू बिक्री में 2.97इ की गिरावट हुई।

सारांश यह कि सितंबर में ऑटो सेक्टर ने जीएसटी कटौती और फेस्टिव डिमांड के चलते मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें ट्रैक्टर, टू-व्हीलर और एसयूवी सेगमेंट में खास बढ़त देखी गई।

आरबीआई के एक फैसले से झूमा शेयर बाजार, निवेशकों ने कमा लिए 4 लाख करोड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भले ही लोगों की ईएमआई में कोई कटौती नहीं की लेकिन बैंक, बिजनेस और कंज्यूमर्स के लिए 22 महत्वपूर्ण ऐलान किए हैं, जिनसे इन तीनों क्षेत्रों को फायदा होने के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इन ऐलानों का शेयर बाजार ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया और इसके असर से बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बैंकिंग और एनबीएफसी सेक्टर के स्टॉक्स में भारी बढ़त दर्ज की गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 715 अंक उछल कर 80, 983.31 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 225 अंक की बढ़त के साथ 24, 836 के लेवल पर बंद हुआ। इस तेजी के कारण शेयर बाजार में निवेशकों को करीब 4 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ।

आरबीआई की ओर से बैंकिंग सेक्टर के लिए किए गए ऐलानों ने लंबे समय तक बाजार और अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दिए। बैंकिंग शेयरों में कोटक बैंक के शेयर लगभग 3इ बढ़त के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। एक्सिस बैंक के शेयर 2.25इ की तेजी के साथ बंद हुए, वहीं आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी 1.5इ से अधिक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। टाटा मोटर्स के शेयर में भी 5.5इ की तेजी देखने को मिली।

शेयर बाजार में इस तेजी के कारण निवेशकों को लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। बीएसई का मार्केट कैप मंगलवार को 4, 51, 44, 414.11 करोड़ रुपए था, जो बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान बढ़कर 4, 55, 41, 976.54 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

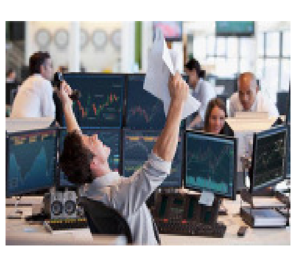

बिग बॉस 19 : नेहल चुडासमा और तान्या मित्तल के झगड़े से घर में हुआ 'महायुद्ध', माता-पिता को घसीटा!

बिग बॉस 19 के आगामी एपिसोड में अशनूर कौर और फरहाना भट्ट के बीच शब्दों की एक बदसूरत जंग देखने को मिलेगी। कलर्स टीवी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक प्रोमो साझा किया है, जिसमें बिग बॉस को घरवालों को असेंबली रूम में इकट्ठा होने के लिए कहते हुए सुना गया: 'घर की कैप्टन फरहाना को शो के प्रति घरवालों की क्षमता को रैंक करना है।'

रणनीतिक दांव-पेंच और गरमागरम बहस देखने को मिली। तान्या, फरहाना, ज़ीशान और नीलम इस बात पर बहस कर रहे थे कि किसे प्राथमिकता दी जाए। फरहाना ने नीलम को बचाने के लिए कहे जाने के बावजूद, नेहल को कप्तान चुना। ज़ीशान ने स्वीकार किया कि उसने फरहाना को 'अपने फ़ायदे के लिए' कप्तान बनाया था, जबकि फरहाना ने बाद में नेहल को यह बातचीत बताई, जिसने टिप्पणी की कि एक और समूह उसे बरगलाने की कोशिश कर रहा था।

बिग बॉस ने घरवालों को नॉमिनेशन पर चर्चा के बारे में बताया और बताया कि एक समूह दो हफ़्तों से नीलम को बचाने की कोशिश कर रहा था। नेहल ने कहा कि नीलम को डर के मारे बचाया जा रहा है। मेज़बान ने स्पष्ट किया कि इस बार कप्तान को कोई विशेष शक्ति नहीं मिलेगी, जिससे फरहाना को राहत मिली। नॉमिनेशन टास्क के दौरान, तीन वोट पाने वाले किसी भी प्रतियोगी को नॉमिनेट किया जाएगा।

फरहाना को बचा लिया गया और फिर उन्हें सीधे नॉमिनेट करने का मौका दिया गया, जिसमें उन्होंने अशनूर को 'अभिषेक के साथ घूमने के अलावा शो में कोई योगदान नहीं देने' के लिए चुना।

इस एपिसोड में कई टकराव हुए, जिसमें नेहल और तान्या के बीच एक बड़ा झगड़ा भी शामिल था, जहाँ दोनों ने एक-दूसरे के माता-पिता को बहस में घसीट लिया। अमाल ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे परिवार के सदस्यों को शामिल न करने के लिए कहा। नेहल ने फिर टिप्पणी की कि तान्या मिनटों में सहानुभूति बटोरने की कोशिश करेगी। इस बीच, नीलम ने अमाल के साथ फ़्लर्ट किया और शहबाज़ और अमाल ने एक हल्का-फुल्का पल साझा किया।

एपिसोड के दौरान निजी किस्से भी सामने आए। फरहाना ने कुनिका को अपने माता-पिता के अलगाव के बाद के संघर्षों के बारे में बताया, जबकि कुनिका ने बताया कि कैसे उनके बेटों को उनके पिता ने बरगलाया, लेकिन आखिरकार उन्हें सच्चाई समझ आ गई। इसके अलावा, बक्सों को एडजस्ट करने को लेकर प्रणित और बसीर के बीच एक छोटी सी बहस छिड़ गई, जो नेहल के हस्तक्षेप करने पर बढ़ गई। अशनूर ने बसीर की आलोचना करते हुए कहा कि वह मदद करने के बजाय अपने अहंकार को दखल देने दे रहा है।

जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, सभी प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

हरारे (जिम्बाब्वे) **(एजेंसी)**। तंजानिया के खिलाफ अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए। दाएं हाथ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जहां उनकी टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी तंजानिया पर 113 रनों से जीत दर्ज की।

दोनों टीमों के बीच हुए मैच की बात करें तो तंजानिया के कप्तान कासिम नासाओरो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 221 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे के लिए इस पारी में रन बनाने वाले खिलाड़ी बेनेट (60 गेंदों पर 111 रन), तदिवानाशे मारुमानी (34 गेंदों पर 49 रन), रयान बर्ल (11 गेंदों पर 22 रन) और सिकंदर रज़ा (नौ गेंदों पर 19 रन) थे।

तंजानिया के लिए खालिद जुमा (4 ओवर में 2/39), एली किमोटे (4 ओवर में 2/42) और लक्ष्य बक्रानिया (2 ओवर में 1/35) ने अपने-अपने गेंदबाजी स्पेल में विकेट लिए। 222 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए तंजानिया क्रिकेट टीम मैच में 18.4 ओवर बल्लेबाजी करते हुए केवल 108 रनों पर ढेर हो गई।

दूसरी पारी में टीम के लिए रन बनाने वाले खिलाड़ी अभिक पटवा (22 गेंदों पर 32 रन), कासिम नासोरो (27 गेंदों पर 25 रन) और शिवराज सेल्वाराज (18 गेंदों पर 20 रन) थे। जिम्बाब्वे की ओर से, गेंदबाजों में ब्रैड इवांस (4 ओवर में 4/16), रिचर्ड नगारवा (3 ओवर में 2/13), सिकंदर रज़ा (20 ओवर में 2/6), टिनोटेंडा मापोसा (3 ओवर में 1/17) और रयान बर्ल (2.4 ओवर में 1/24) शामिल थे।

40 की उम्र में दोबारा मां बनेगी ये एक्ट्रेस? पति संग जल्द ही शेयर करेंगी गुड न्यूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा जल्द ही एक बहुत बड़ी खुशखबरी सुना सकते हैं. रिपोर्ट्स की माने तो दोनों एक बार फिर किसी बच्चे के माता-पिता बनने वाले हैं. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस सोनम कपूर दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं और वो जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं. हालांकि अभी तक कपल्स ने इस खबर को ऑफिशियल तरीके से कहीं शेयर नहीं की है. लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही एक्ट्रेस अपनी दूसरी प्रेगनेंसी को लेकर खुलासा करने वाली हैं. सोनम और आनंद ने साल 2018 में शादी रचाई थी, जिसके बाद 2022 में सोनम ने एक लड़के को जन्म दिया था.

साल 2018 में सोनम कपूर ने दिल्ली के बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी रचाई थी. अगस्त 2022 में सोनम ने अपने पहले बच्चे बेटे वायु को जन्म दिया था. वहीं अब खबर है कि 40 साल की सोनम कपूर दोबारा मां बनने की तैयारी में हैं. पिंकविला के मुताबिक कपल जल्द ही ये गुड न्यूज ऑफिशियल शेयर कर सकते हैं.

करियर की बात करें तो सोनम कपूर सालों से फिल्मों से दूर नजर आ रही हैं. शादी के बाद से एक्ट्रेस विदेश रहने लगी हैं और किसी मौके पर ही भारत अपने ससुराल दिल्ली और अपने घर मुंबई आती-जाती रहती हैं. सोनम कपूर ने अपने करियर की शुरुआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर फिल्म ब्लैक से की थी. रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'सावरियां' से सोनम ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था. यह फिल्म 2007 में आई थी. इसके बाद एक्ट्रेस आई हेट लव स्टोरीज, रांझणा, भाग मिल्खा भाग, संजू, प्रेम रतन धन पायो, नीरजा, आयशा, खूबसूरत, प्लेयर्स, मौसम, पेडमैन, वीरे दी वेडिंग, एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा, द जोया फैक्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. वहीं बीते कई सालों से एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया से दूर नजर आ रही हैं.

प्रियंका चोपड़ा ने दुर्गा पंडाल में जाकर लिया आशीर्वाद वीडियो देख लोग बोले- 'ये होता है संस्कार'

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक एक्टिंग का जलवा दिखाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारत मं। हैं. हाल ही में एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं एक्ट्रेस की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे. अब प्रियंका चोपड़ा का एक वीडियो सामने आया है, जो लोगों का दिल जीत रहा है. दरअसल वह दुर्गा पूजा पंडाल पहुंची थीं और माता रानी का आशीर्वाद लिया. प्रियंका चोपड़ा ब्लू कलर के सलवार सूट में काफी खूबसूरत लग रही थीं. उनके अंदाज पर फैंस फिदा हो रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं. आइए देखते हैं कि प्रियंका चोपड़ा के वीडियो पर फैंस क्या रिएक्शन दे रहे हैं.

प्रियंका चोपड़ा भारत आई हैं और उन्होंने दुर्गा पूजा पंडाल में जाकर माता रानी के चरणों में माता टेका है. उन्होंने ब्लू कलर का सलवार सूट पहना हुआ था और उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की. 'देसी गर्ल' का प्यारा अंदाज उनके तमाम चाहने वाले फैंस को खूब पसंद आ रहा है. प्रियंका चोपड़ा का वीडियो देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. एक

फैन ने लिखा है, 'कितनी प्यारी हैं ये.' एक फैन ने लिखा है, 'ये होता है संस्कार.' एक फैन ने लिखा है, 'मेरी देसी गल.' एक फैन ने लिखा है, 'आई लव यू प्रियंका चोपड़ा.' बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा हर जगह अकेले नजर आ रह हैं तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह पति निक जोनस और बेटी मालती मेरी के साथ नहीं आई हैं.

प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार इसी साल जुलाई में रिलीज हुई 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आई थीं. प्रियंका चोपड़ा की पाइपलाइन में 'द ब्लफ', 'जजमेंट डे', 'एसएसएमबी 29' और 'कृष 4' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगी. उनकी ये फिल्म साल 2026 से लेकर साल 2027 तक रिलीज होंगी. एक्ट्रेस की इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है.